हिंदी दैनिक अखबार

# बिहार पत्रिका

सच के साथ

पटना, शुक्रवार, 13 मार्च 2026 | वर्ष : 5, अंक : 74 पृष्ठ : 8, मूल्य : निशुल्क | web_dainikbiharpatrika.com | Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com | सम्पादक : कृष्णा टेकड़ीवाल

## बिजली के मीटर बनाने वाली फैक्ट्री में आग, दो दर्जन से ज्यादा झुलसे, 250 की बची जान

नोएडा(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित सेक्टर-4 से एक दर्दनाक खबर सामने आई है, जहाँ गुरुवार सुबह एक बड़ी फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। यह आग कैपिटल पावर सिस्टम लिमिटेड कंपनी में लगी, जहाँ बिजली के मीटर बनाने का काम किया जाता है। हादसे के वक्त फैक्ट्री के अंदर करीब 250 कर्मचारी मौजूद थे, जिसमें से करीब दो दर्जन लोग झुलस गए। जिससे वहां अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां और थाना फेस-1 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल की तीन गाड़ियां तुरंत राहत कार्य में जुट गईं। शुरूआती जानकारी के अनुसार, इस अग्निकांड में दो दर्जन से ज्यादा लोग झुलस गए हैं, जिन्हें आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एहतियात के तौर पर पुलिस ने आसपास के पूरे इलाके को खाली करा लिया है ताकि जान-माल का अधिक नुकसान न हो। गौतमबुद्धनगर के अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि जब आग लगी, तब फैक्ट्री पूरी क्षमता के साथ चल रही थी। आग लगने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्राथमिकता फंसे हुए लोगों को निकालने और आग पर काबू पाने की है। दमकल कर्मी भारी मशक्कत के बाद भी आग को पूरी तरह बुझाने का प्रयास कर रहे हैं। फिलहाल मौके पर स्थानीय पुलिस बल तैनात है और राहत कार्य जारी है। इस घटना ने औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा मानकों और फायर ऑडिट की व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

# एलपीजी संकट पर पीएम मोदी ने लोगों से की अपील शांति बनाए रखें और पैनिक न करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में एलपीजी सप्लाई को लेकर फैली अफवाहों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता से शांति बनाए रखने और पैनिक न करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण ऊर्जा की सप्लाई चेन प्रभावित हुई है, लेकिन हमारी सरकार संकट से निपटने में सक्षम है। पीएम मोदी ने तमिलनाडु में एनडीए की मीटिंग के दौरान सभी से सही जानकारी साझा करने और बिना पुष्टि के अफवाहें न फैलाने का आग्रह किया। वहीं केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एलपीजी सप्लाई पर नजर रखने के लिए कंट्रोल रूम बनाए हैं। मंत्रालय का कहना है कि घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पहले की तरह जारी है और पैनिक खरीद से स्थिति प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा और अन्य राज्यों में जिला प्रशासन लोगों को अफवाहों से बचने की सलाह दे रहा है। केंद्र सरकार ने पहले ही एस्मा लागू किया है, इसके तहत घरेलू गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता दी जाती है और बीते छह महीनों के औसत के अनुसार सप्लाई बनाए रखने का निर्देश है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और पेट्रोलियम मंत्रालय के साथ मिलकर फैक्ट चेक करने और सही सूचना देने का काम शुरू कर दिया है। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और

पुलिस प्रमुखों के साथ बैठक कर कानून व्यवस्था और अफवाहों से उत्पन्न हालात को संभालने के लिए दिशा-निर्देश दिए हैं। वहीं पीएम मोदी ने कोरोना महामारी के दौर का उदाहरण देकर कहा कि तब 140 करोड़ भारतीयों ने देश की मजबूती दिखाई थी और अब भी हम इस संकट से जल्द ही उबर जाने वाले है।

उन्होंने दोहराया कि सरकार की प्राथमिकता सभी नागरिकों के हितों की रक्षा करना है और किसी भी तरह के पैनिक की जरूरत नहीं है। जनता से अपील की गई है कि केवल सत्यापित सूचना को साझा करें और अफवाहों को आगे न बढ़ाएं। इस तरह, प्रशासन और केंद्र सरकार मिलकर एलपीजी संकट को नियंत्रित करने और लोगों को सही जानकारी देने में सक्रिय हैं।

## खास / खबरे

### सुप्रीम कोर्ट ने कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को दी जमानत

नई दिल्ली,(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर आतंकी वित्तपोषण मामले में एक अहम घटनाक्रम में सुप्रीम कोर्ट ने कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को जमानत दे दी है। कोर्ट ने कहा कि जमानत की विस्तृत शर्तें जल्द जारी की जाएंगी और यह साफ किया कि शाह की रिहाई इन शर्तों के अनुपालन पर निर्भर होगी। बेंच ने शाह की ओर से वरिष्ठ वकील द्वारा प्रस्तुत प्रतिवादों को सुनने के बाद यह आदेश दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बेंच ने कहा कि उनकी जमानत की शर्तों और नियमों को निर्दिष्ट करने वाला औपचारिक लिखित आदेश जल्द जारी किया जाएगा। कोर्ट के मुताबिक शर्तों समेत विस्तृत आदेश जल्द ही जारी किया जाएगा। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के एक प्रमुख अलगाववादी नेता शब्बीर शाह पर आतंकी वित्तपोषण और घाटी में अलगाववादी गतिविधियों को कथित वित्तीय सहायता देने से जुड़े आरोप लगे हैं। सुनवाई के दौरान पीठ ने मुकदमे में कई अनियमितताओं की ओर इशारा किया और शाह की लंबी कैद पर चिंता जताई। 4 सितंबर, 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने शाह को इस मामले में अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया था और एनआईए को नोटिस जारी कर दिल्ली हाईकोर्ट के 12 जून, 2025 के उस आदेश को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें उन्हें राहत देने से इनकार किया गया था। बता दें 2017 में एनआईए ने शांति भंग करने के लिए पत्थरबाजी, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और केंद्र सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने की साजिश रचने के आरोप में 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। शाह पर जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी आंदोलन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप था। हवाला लेनदेन के माध्यम से धन प्राप्त करने और नियंत्रण रेखा पार व्यापार के माध्यम से धन जुटाने का आरोप था, जिसका कथित तौर पर विध्वंसक और आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए इस्तेमाल किया गया था।

### प्रधानमंत्री कहां हैं? एलपीजी की कमी पर ध्यान देने के बजाए वे चुनाव रैलियां कर रहे हैं: राउत

मुंबई,(एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने गुरुवार को केरल और तमिलनाडु में रैलियां करने के लिए पीएम मोदी की आलोचना की और उनसे व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की कमी पर ध्यान देने की मांग की। संजय राउत ने केंद्र सरकार से पश्चिम एशिया संघर्ष से भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा की मांग की। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री कहां हैं? वे केरल और तमिलनाडु में चुनाव प्रचार कर रहे हैं और वे अपने विरोधियों के खिलाफ जिन शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं, वे प्रधानमंत्री पद की गरिमा के अनुरूप नहीं हैं। राउत ने कहा कि पीएम मोदी ईरान-इजराइल संघर्ष के प्रभाव पर चर्चा नहीं कर रहे हैं। एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कमी के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। यह स्थिति लोगों में भय पैदा कर रही है। होटल और रेस्तरां बंद हो रहे हैं। मोदी सरकार ने इस पर कुछ नहीं कहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश ऐसे नेतृत्व के हाथों में है। यह घटनाक्रम गुरुवार को केरल और तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पीएम मोदी की जनसभाओं के बाद सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार भारतीयों के हितों को सर्वोपरि रखने के उसी दृष्टिकोण का पालन करेगी और घबराने या अफवाहों पर ध्यान देने की कोई जरुरत नहीं। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित है। हम इंडिया फर्स्ट की विचारधारा में विश्वास रखते हैं। बता दें पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के मद्देनजर व्यावसायिक एलपीजी गैस सिलेंडरों की कमी हो गई है, जिसके बाद केंद्र ने घरेलू खपत को प्राथमिकता देते हुए जरुरी वस्तु अधिनियम लागू किया है।

## गुजरात आ रहे जहाज पर ईरानी हमलों के बाद भड़का भारत कहा- अब ऐसी घटनाएं न हों

नई दिल्ली(एजेंसी)। होर्मुज जलडमरूमध्य में थाईलैंड के एक मालवाहक जहाज पर हुए हमले के बाद भारत ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पश्चिम एशिया में वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाए जाने की बढ़ती घटनाओं पर भारत ने गहरी चिंता जताते हुए इन हमलों को तुरंत रोकने की मांग की है। यह विवाद तब गहराया जब गुजरात के कांडला बंदरगाह की ओर आ रहे एक जहाज मयूरी नारी पर ईरानी सेना के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) द्वारा हमला किए जाने की खबर आई। विदेश मंत्रालय ने इस घटना पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा कि भारत वाणिज्यिक जहाजों को सैन्य संघर्ष का हिस्सा बनाने की कड़ी निंदा करता है। मंत्रालय के अनुसार, 11 मार्च को होर्मुज जलडमरूमध्य में थाई जहाज मयूरी नारी पर हमला हुआ, जो भारत के कांडला आ रहा था। अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर नौवहन और व्यापार की स्वतंत्रता में किसी भी प्रकार की बाधा स्वीकार्य नहीं है। मंत्रालय ने इस बात पर भी जोर दिया कि इन संघर्षों में अब तक कई भारतीय नागरिकों सहित कई निर्दोष लोगों की जान जा चुकी है। हमलों की बढ़ती तीव्रता और

चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा को लेकर भारत ने स्पष्ट किया कि निर्दोष नागरिकों को खतरे में डालना अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन है। रॉयल थाई नेवी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चालक दल के 20 सदस्यों को बचाकर ओमान पहुँचाया है, जबकि तीन अन्य सदस्यों की तलाश अभी भी जारी है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा गलियारा है, जहाँ से वैश्विक कच्चे तेल की 20 प्रतिशत आपूर्ति होती है। इन हमलों के कारण यह मार्ग बाधित होने का खतरा पैदा हो गया है, जिससे वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति और कीमतों पर असर पड़ सकता है। इस बीच, भारत सरकार ने खाड़ी क्षेत्र में रहने वाले लगभग एक करोड़ भारतीय प्रवासियों की सुरक्षा को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पुष्टि की कि हालिया संकट के दौरान एक पोत पर हुए हमले में दो भारतीयों की मौत हुई है और एक लापता है। वर्तमान में ईरान में लगभग 9,000 भारतीय नागरिक मौजूद हैं, जिनके साथ भारतीय दूतावास लगातार संपर्क में है। प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इस क्षेत्र के विभिन्न देशों के नेताओं और अपने समकक्षों के साथ निरंतर संवाद कर रहे हैं ताकि स्थिति पर नियंत्रण पाया जा सके।

## संसद में कई सांसदों उठाया फारूक अब्दुल्ला पर हुए हमले का मुद्दा, सरकार को घेरा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। संसद में कई सांसदों ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला पर हुए हमले का मुद्दा उठाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूर्व जम्मू-कश्मीर सीएम की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और केंद्र सरकार द्वारा स्थानीय पुलिस पर नियंत्रण को मुद्दा बनाया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने इसका खंडन करते हुए इसे एक गंभीर मामला बताया और जांच का आश्वासन दिया। खड़गे ने कहा कि फारूक अब्दुल्ला की सुरक्षा को खतरा है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर पहले एक पूर्ण विकसित राज्य था और अब पुलिस केंद्र के नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि स्थानीय सुरक्षाकर्मियों ने उनकी जान बचाई और पूछा, क्या सरकार का यही इरादा था कि एनसी नेता की हत्या की जाए?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नड्डा ने कहा कि पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला पर जानलेवा हमला चिंता का विषय और एक गंभीर मामला है और इसकी उचित जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और एनसी नेता फारुक अब्दुल्ला की सुरक्षा बढ़ाने के लिए जरुरी कदम उठाए जाएंगे। नड्डा ने कहा कि हर मामले

को राजनीतिक रंग नहीं देना चाहिए और सरकार के खिलाफ खड़गे के आरोपों की कड़ी आलोचना की। नेशनल कॉन्फ्रेंस के चौधरी मोहम्मद रमजान ने भी फारूक अब्दुल्ला पर हुए हमले का मुद्दा उठाया और कहा कि घटनास्थल पर पुलिस मौजूद नहीं थी। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी इस घटना में घायल हुए हैं और उन्होंने और अन्य लोगों ने मिलकर अपराधी को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। उन्होंने राज्य का दर्जा बहाल करने और फारूक अब्दुल्ला की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की। यह हमला तब हुआ जब एक व्यक्ति ने जम्मू के ग्रेटर कैलाश इलाके के रॉयल पार्क में एक शादी समारोह में फारूक अब्दुल्ला को गोली चला दी। पुलिस के मुताबिक सुरक्षा में तैनात एनएसजी के सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हमले को नाकाम कर दिया। आरोपी कमल सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी जम्मू के पुरानी मंडी का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि अपराध में इस्तेमाल किया गया हथियार भी बरामद कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

### संसद परिसर में गैस सिलेंडर संकट को लेकर विपक्ष का प्रदर्शन, नरेंदर भी गायब, सिलेंडर भी गायब के नारों की गूंज

नई दिल्ली,(एजेंसी)। ईरान और इजरायल-अमेरिका युद्ध के बीच देश में उपजे गैस सिलेंडर संकट के मुद्दे को लेकर गुरुवार को संसद परिसर में विपक्षी दलों के सांसदों ने प्रभावी प्रदर्शन करते हुए नरेंदर भी गायब, सिलेंडर भी गायब जैसे नारे लगाए। इस प्रदर्शन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित कई विपक्षी सांसद शामिल हुए। संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने गैस सिलेंडर संकट को लेकर सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित कई विपक्षी सांसद शामिल हुए। सांसदों ने बैनर के साथ ही हाथों में तख्तियां लेकर और नारे लगाकर सरकार पर निशाना साधा। इस दौरान ह्लनरेंदर भी गायब, सिलेंडर भी गायबह्व के नारे संसद परिसर में गूंजते रहे। प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री लगातार देश से कह रहे हैं कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन उनके व्यवहार से ऐसा लगता है कि वे खुद घबराए हुए हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री अलग-अलग कारणों से दबाव में दिखाई दे रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री कहते हैं कि घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन वे खुद घबराए हुए लग रहे हैं। आपने कल देखा कि सदन के अंदर प्रधानमंत्री की कुर्सी खाली थी। वे देश से कह रहे हैं कि चिंता मत करो, जबकि वे खुद परेशान दिख रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि सरकार को देश में उत्पन्न सिलेंडर संकट और आम लोगों की परेशानियों पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए। विपक्ष का कहना है कि रसोई गैस की उपलब्धता और कीमतों से जुड़ी समस्याओं के कारण आम जनता परेशान है और सरकार को इस मुद्दे पर संसद में चर्चा करानी चाहिए।

## कतर में फंसे सैकड़ों भारतीयों की हुई सुरक्षित वापसी, भारत आएंगी दो और उड़ानें

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय दूतावास ने कहा है कि कतर में फंसे 500 से ज्यादा भारतीयों को नई दिल्ली और अन्य स्थानों पर पहुंचाया गया है। दूतावास ने पश्चिम एशियाई देश में अब भी फंसे लोगों को किसी भी अज्ञात वस्तु, मलबे या टुकड़ों के पास ना जाने की चेतावनी दी है। कतर स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पर सलाह दी कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच कतर एयरवेज गुरुवार को भारत के लिए दो उड़ानें संचालित कर रहा है। दूतावास ने कहा कि कतर में फंसे 500 से ज्यादा भारतीय 11 मार्च को कतर एयरवेज की उड़ानों से नई दिल्ली और अन्य स्थानों के लिए रवाना हुए थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संघर्ष के कारण उड़ानें रद्द होने से दुबई में फंसे ओडिशा के 35 पर्यटक बुधवार को सुरक्षित लौट आए। सीएमओ के बयान के मुताबिक फंसे हुए पर्यटकों में से नौ पर्यटक 7 मार्च को केरल के कोच्चि

होते हुए भुवनेश्वर आए बाकी पर्यटक 8 मार्च को मुंबई होते हुए विशेष उड़ान से भुवनेश्वर पहुंचे। सीएम मोहन चरण माझी ने इस बात पर चिंता जताई कि क्षेत्र में जारी संघर्ष के कारण पश्चिम एशिया में ओडिशा के कई लोग फंसे हैं। सीएमओ ने बताया कि सीएम माझी ने उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने की जरुरत पर जोर देते हुए मुख्य सचिव अनु गर्ग को स्थिति पर बारीकी से नजर रखने और उडिया लोगों की वापसी को सुविधाजनक बनाने के लिए जरुरी कदम उठाने का निर्देश दिया। वहीं, विपक्षी दलों ने विधानसभा में ओडिशा सरकार पर खाड़ी देशों में जारी संघर्ष के बीच फंसे राज्य के लोगों के प्रति कोई चिंता न दिखाने का आरोप लगाया। रिपोर्ट के मुताबिक मुख्य सचेतक प्रमिला मलिक और प्रताप केशरी देब द्वारा लाए गए स्थगन प्रस्ताव में इस मुद्दे पर बहस हुई। बीजू जनता दल (बीजद) विधायक अरुण कुमार साहू ने पूछा कि क्या राज्य सरकार के पास युद्ध के बीच फंसे उडिया लोगों को वापस लाने की कोई योजना है? बीजद सदस्य ध्रुव चरण साहू ने आरोप लगाया कि खाड़ी देशों में रह रहे लोगों के परिवार गंभीर मानसिक तनाव में हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि राज्य सरकार पश्चिम एशिया में युद्ध रोकने के लिए सदन में प्रस्ताव लाए। साहू ने कहा कि ओडिशा विधानसभा युद्ध रोकने की अपील करने वाली देश की पहली विधानसभा बने। विपक्षी विधायकों ने कहा कि हवाई संपर्क रद्द होने के कारण खाड़ी देशों में करीब तीन से चार लाख उडिया लोग फंसे हैं, जिनमें से ज्यादातर केंद्रपाड़ा, गंजाम और पुरी जिलों से हैं।

## अमेरिका कितना भी कोशिश कर ले, रूसी तेल को दुनिया से नहीं हटा पाएगा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में युद्ध के बाद शुरू होने के बाद अमेरिका ने दावा किया कि उसने भारत को रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिन की छूट दी है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि वैश्विक तेल आपूर्ति में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए ये कदम उठाया गया है। ट्रंप प्रशासन की ओर से आए इस बयान पर रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने दो टूक कहा कि भारत को किसी से इजाजत लेने की जरूरत नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रूसी राजदूत ने एक इंटरव्यू में विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान की तारीफ करते हुए कहा कि अमेरिका कितना भी कोशिश कर ले, वह रूसी तेल को दुनिया से नहीं हटा पाएगा। उन्होंने कहा कि भारत को किसी से कोई इजाजत नहीं चाहिए, लेकिन अमेरिका का ऐसा रवैया उसकी सोच और अपने पार्टनर्स के प्रति उसके नजरिए को दिखाता है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि अमेरिका किसी को पार्टनर के तौर पर चाहता है या देखता है। जूनियर पार्टनर ज्यादा से ज्यादा जरूरतों को पूरा करते हैं और यह बात सभी को समझनी होगी। अमेरिका के सभी अच्छे इरादों, इन्वेस्टमेंट, अच्छे कामों के साथ राजनीतिक हालात और दबाव भी आते हैं। आप रूसी तेल को ग्लोबल बास्केट

से बाहर नहीं कर सकते। डेनिस ने आगे कहा कि अगर ऐसा होता है तो सप्लाई और ऑफर में बहुत कमी होगी और इसलिए मिडिल ईस्ट में हो रहे डेवलपमेंट से पता चलता है कि भारत चाहे रूसी तेल खरीदे या कोई और, वह तेल तो वहीं रहेगा, रूसी तेल तो वहीं रहेगा। इसलिए भारत को हमसे खरीदने से सिर्फ फायदा होगा। रूसी राजदूत ने ईरान पर हुए अमेरिका-इजराइल हमले को लेकर कहा कि मिडिल ईस्ट में ईरान के खिलाफ जो कुछ हुआ, उससे इंटरनेशनल नियमों और कानूनों का खुला उल्लंघन है। यह एक आजाद देश के खिलाफ हिंसक और बेबुनियाद हमला है, इससे पहले कि आधी रात को वेनेजुएला में एक आजाद देश के प्रेसिडेंट को अगवा कर लिया गया। बता दें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीद को लेकर भारत पर जुर्माने के रूप में 25 फीसदी टैरिफ लगाया था। हालांकि मिडिल ईस्ट संकट के बाद अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि यूएस ने भारतीय रिफाइनरियों को रूस से तेल खरीदने के लिए 30 दिन की अस्थायी छूट देता है। उन्होंने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने की धमकियों के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए ये कदम उठाया गया है। अमेरिकी ट्रेजरी के मुताबिक यह एक शॉर्ट-टर्म स्टॉपगैप उपाय है ताकि वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति बनी रहे और कीमतें स्थिर रहें।

## एक नजर

### बिजली चोरी के खिलाफ एसटीएफ की छापेमारी, 14.36 लाख का मामला दर्ज

दैनिक बिहार पत्रिका

गया। साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एसबीपीडीसीएल) की एसटीएफ टीम ने बिजली चोरी के खिलाफ बोधगया में छापेमारी अभियान चलाया। यह कार्रवाई विद्युत अधीक्षण अभियंता संजीव कुमार (एसटीएफ अंचल गया) के नेतृत्व में की गई। छापेमारी टीम में विद्युत कार्यपालक अभियंता एसटीएफ, विद्युत कार्यपालक अभियंता गया शहरी, सहायक विद्युत अभियंता एसटीएफ तथा अन्य विभागीय कर्मी शामिल थे। टीम बोधगया स्थित एक गैर-घरेलू परिसर में पहुंची, जहां ईवी चार्जिंग का कार्य किया जा रहा था। जांच के दौरान पाया गया कि उक्त विद्युत कनेक्शन मोहम्मद मतीन, पिता वली मोहम्मद के नाम पर था। उपभोक्ता द्वारा चालू मीटर के अतिरिक्त एक अन्य सर्विस तार के माध्यम से अवैध रूप से बिजली का उपयोग कर विद्युत ऊर्जा की चोरी की जा रही थी। मौके पर मौजूद ई-रिक्शा और अन्य विद्युत उपकरणों के भार का आकलन करते हुए विभाग ने कुल 14.36 लाख रुपये की विद्युत ऊर्जा चोरी का मामला दर्ज किया है। इस संबंध में बोधगया थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बिजली चोरी के खिलाफ आगे भी इस तरह के अभियान जारी रहेंगे।

### बोधगया में खाद्यान्न का उठाव नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

दैनिक बिहार पत्रिका

गया। बोधगया प्रखंड में एसएफसी गोदाम से खाद्यान्न का उठाव नहीं होने को लेकर जनवितरण प्रणाली के विक्रेताओं में नाराजगी बढ़ गई है। विक्रेताओं ने प्रखंड अध्यक्ष सह जिला महामंत्री डॉ. विजय कुमार यादव के नेतृत्व में बैठक कर चरणबद्ध आंदोलन करने का निर्णय लिया। जानकारी के अनुसार 5 मार्च से 12 मार्च 2026 तक एसएफसी गोदाम बोधगया से डोर स्टेप डिलीवरी संवेदक द्वारा एक भी खाद्यान्न का उठाव नहीं किया गया है। इससे जनवितरण प्रणाली के दुकानदारों के समक्ष गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। इस मुद्दे को लेकर विक्रेताओं ने बैठक कर डोर स्टेप डिलीवरी संवेदक और जिला महाप्रबंधक के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध जताया। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया को भी खाद्यान्न का उठाव नहीं होने की जानकारी देते हुए प्रेस वार्ता आयोजित की गई। बैठक में विक्रेताओं ने जिला प्रशासन और आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि एक-दो दिनों के भीतर खाद्यान्न उठाव की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई तो चरणबद्ध तरीके से आंदोलन किया जाएगा। बैठक में प्रखंड उपाध्यक्ष गोपाल पासवान, प्रखंड सचिव नरेश साव, कोषाध्यक्ष जयप्रकाश राय, सुदामा यादव, अजीत कुमार, विनोद यादव, उदय यादव, उमेश यादव, उपेंद्र साव, सुरेंद्र पासवान, बबीता कुमारी, रंजीत यादव, बलिराम पासवान, शकील खान, मकसूद आलम, बालेश्वर यादव, शैलेंद्र कुमार सिंह, सुधीर मांझी, संतोष कुमार, सनोज मांझी, अभय यादव, दयानिधि यादव, अफजल खान, मनोज यादव, मनु रविदास, देवकली दास, पंकज कुमार सहित सैकड़ों विक्रेता उपस्थित थे।

### दो तीन हजार का सामग्री देकर शिक्षा सेवक से साक्षरता डीपीओ प्रवीण कुमार लिया 12000

दैनिक बिहार पत्रिका

सुपौल। सुपौल जिले में शिक्षा विभाग से जुड़ा एक नया मामला सामने आया है, बिहार सरकार के द्वारा महादलित अक्षर आंचल योजना संचालित हेतु सभी शिक्षा सेवक एवं टोला सेवक के खाता में सामग्री मद के 12 हजार रुपये राशि प्रदान की गई, जिसका टोला सेवक एवं तालिमी मरकज को ₹12000 रुपए की किसी भी दुकान से सामग्री खरीद करना था। लेकिन डीपीओ साक्षरता प्रवीण कुमार के द्वारा अपने चिन्हित दुकानदारों से सामान खरीदने का आदेश दिए। जिसमें अहम भूमिका तालिमी मरकज के जिला अध्यक्ष ने निभाई, जिला अध्यक्ष और डीपीओ प्रवीण कुमार ने डरा धमका कर 12000 रुपए उठाकर जमा ले लिया। आपको सुनकर हैरानी होगी उस ₹12000 में सभी तालिनी मरकज एवं टोला सेवक को दो से तीन हजार रुपये का सामान दिया गया है।जबकि जिले में 266 टोला सेवक और तालीमी मरकज हैं। जब एक शिक्षा सेवक ने इसका विरोध किया तो डीपीओ और जिला अध्यक्ष। उनके खिलाफ कार्रवाई की धमकी देने लगे। इधर मामला उजागर होने के बाद शिवसेना उत्तर बिहार प्रमुख रामदेव यादव ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कथित रूप से जिले में शिक्षा सेवकों को उपलब्ध कराई गई सामग्री की जांच तथा डीपीओ साक्षरता प्रवीण कुमार के कार्यकाल में अक्षर आंचल योजना के तहत निकासी की गई रुपए की जांच मांग की रामदेव यादव ने उस पत्र में कहा डीपीओ प्रवीण कुमार सुपौल जिला में लूट घसोट का अड्डा बना दिया है, सेवक सेवा नहीं करके लुटेरा शासन के जैसे लूट रहा है ऐसे साक्षरता डीपीओ प्रवीण कुमार के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की आवश्यकता है, इस लूट में डीपीओ के अतिरिक्त कुछ टोला सेवक ताली मरकज में काम करने वाले विचोलियां का कार्य करता हैं वैसे सेवक जिसका मनसा पढ़ाई नहीं करके शिक्षा को लूट का माध्यम बना दिया है, डीपीओ प्रवीण कुमार की चल एवं अचल संपत्ति की भी जांच करने की मांग की है, उन्होंने जिला प्रशासन सावन कुमार से तीन सदस्य तीन गठित कर डीपीओ के द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री की निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की है रामदेव यादव कहा अगर निष्पक्ष जांच होती है, 25 लाख से अधिक रुपया गमन होने की खुलासा होगी। इस मामले में डीपीओ प्रवीण कुमार से पूछा गया उन्होंने कुछ भी बताने से परहेज कर दिया।

# कई दिनों से धमहारा गांव में ठप बिजली आपूर्ति, 700 घरों में अंधेरा

## ग्रिड की दूरी के कारण बार-बार फॉल्ट, ग्रामीणों ने कात्यायनी फीडर से जोड़ने की उठाई मांग

दैनिक बिहार पत्रिका , खगड़िया

खगड़िया। जिले के मानसी थाना क्षेत्र अंतर्गत धमहारा गांव में पिछले कई दिनों से बिजली आपूर्ति ठप रहने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वार्ड नंबर एक, दो, तीन और चार में बसे इस गांव के करीब 700 घरों में अंधेरा छाया हुआ है, जिससे लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। गर्मी के मौसम में बिजली नहीं रहने से ग्रामीणों की परेशानी और बढ़ गई है। घरों में अंधेरा रहने के कारण दैनिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं और लोगों को रातें जागकर बितानी पड़ रही हैं। ग्रामीणों के अनुसार धमहारा गांव, जंगली सिंह टोला, श्रीनगर गांव और धमहारा घाट स्टेशन तक बिजली आपूर्ति बहोता बिजली ग्रिड से सोनमनखी होते हुए सामहर खुर्द के रास्ते खेतों के बीच से होकर आती है। ग्रिड की दूरी लगभग 30 से 35 किलोमीटर होने के कारण लाइन में अक्सर फॉल्ट हो जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि पूरे महीने में मुश्किल से दो से चार दिन ही बिजली मिल पाती है। ग्रामीणों की मांग, कात्यायनी फीडर से जोड़ा जाए गांव सरसावा पंचायत के पैक्स अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि धमहारा गांव में लगभग 700 घर हैं और सभी लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। उन्होंने बिजली विभाग से मांग की है कि धमहारा गांव को कात्यायनी फीडर से जोड़कर नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। ग्रामीण दशरथ कुमार ने बताया कि बिजली समस्या को लेकर कई बार विभागीय अधिकारियों को लिखित आवेदन दिया गया है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। बिजली विभाग ने सुधार का दिया भरोसा इस संबंध में बिजली विभाग के चौथम कनीय अभियंता अजीत कुमार ने बताया कि धमहारा गांव में बहोता बिजली ग्रिड से लाइन जाती है। दूरी अधिक होने के कारण अक्सर फॉल्ट हो जाता है, जिससे आपूर्ति बाधित होती है। उन्होंने कहा कि फिलहाल बिजली चालू करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि रेलवे लाइन बीच में होने के कारण कात्यायनी फीडर से लाइन देने की तकनीकी प्रक्रिया चल रही है और रेलवे से भी बातचीत की जा रही है। विभाग की योजना के अनुसार एक वर्ष के भीतर कात्यायनी फीडर से लाइन उपलब्ध कराने की कोशिश की जा रही है, जिससे क्षेत्र में बिजली व्यवस्था में सुधार होने की उम्मीद है।

## मध्य विद्यालय सौढ़ भरतखण्ड में वार्षिक मूल्यांकन परीक्षा शुरू

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। खगड़िया जिले के परबत्ता प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय सौढ़ भरतखण्ड में गुरुवार से वार्षिक मूल्यांकन परीक्षा शुरू हो गई है। यह परीक्षा 12 से 19 मार्च तक दो पालियों में आयोजित की जाएगी। वहीं कक्षा 1 और कक्षा 2 के छात्र-छात्राओं का मौखिक मूल्यांकन किया जाएगा। विद्यालय के प्रधानाध्यापक सह केंद्राधीक्षक संजय कुमार पासवान ने बताया कि परीक्षा को पूरी तरह कदाचार मुक्त और अनुशासित बनाने के लिए सख्त व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि सभी छात्रों को शांतिपूर्ण माहौल में परीक्षा देने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि यह वार्षिक मूल्यांकन परीक्षा राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि कदाचारमुक्त और शांतिपूर्ण परीक्षा के लिए परबत्ता के बीईओ प्रदीप कुमार ने पहले ही सभी प्रधानाध्यापकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। साथ ही परीक्षा के सफल संचालन के लिए प्रखंड स्तर पर टास्क फोर्स का भी गठन किया गया है। परीक्षा संचालन में प्रधानाध्यापक संजय कुमार पासवान के साथ शिक्षक सिद्धार्थ कुमार, रामविनोद साह, मंजरी कुमारी और मोहम्मद हयात परवेज की ड्यूटी लगाई गई है।

## पटना पहुंचे बिहार के नए राज्यपाल सैयद अता हसनैन, मंत्रियों ने किया स्वागत

दैनिक बिहार पत्रिका

पटना। बिहार के नवनियुक्त राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन के पटना हवाई अड्डा पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से बिहार सरकार के उद्योग एवं पथ निर्माण मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल तथा शिक्षा, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा और उच्च शिक्षा विभाग के मंत्री सुनील कुमार ने उनका स्वागत किया। गौरतलब है कि भारत के राष्ट्रपति ने लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन को बिहार का नया राज्यपाल नियुक्त किया है। वे एयर इंडिया की विमान संख्या एआई-2523 से पटना पहुंचे। पटना हवाई अड्डे के स्टेट हैंगर पर मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल और मंत्री सुनील कुमार ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत और अभिनंदन किया। प्रोटोकॉल के अध्याय-12 के अनुसार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यपाल के स्वागत के लिए इन दोनों मंत्रियों को अधिकृत किया था।

इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए उद्योग एवं पथ निर्माण मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि नए राज्यपाल का गौरवपूर्ण सैन्य अनुभव, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण निश्चित रूप से बिहार के प्रशासनिक और सामाजिक जीवन को नई ऊर्जा देगा। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्यपाल के मार्गदर्शन में बिहार सुशासन, विकास और जनकल्याण के मार्ग पर और अधिक मजबूती से आगे बढ़ेगा।

# गया के लिए गौरव का क्षण

दैनिक बिहार पत्रिका

गया जिले के लिए यह अत्यंत गौरवपूर्ण उपलब्धि है कि यहाँ के युवा शोधकर्ता डॉ. अभिषेक वर्मा का चयन देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी में राजा ज्वाला प्रसाद पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप के लिए हुआ है। यह फेलोशिप उन्हें डॉ. अमरनाथ पासवान, एसोसिएट प्रोफेसर, सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ सोशल इन्क्लूजन के मार्गदर्शन में प्रदान की गई है। उल्लेखनीय है कि डॉ. अभिषेक वर्मा इससे पूर्व अमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा के राजनीति विज्ञान विभाग में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यरत रहे हैं। शिक्षण एवं शोध के क्षेत्र में उनका अनुभव, सामाजिक न्याय और समावेशन से जुड़े विषयों पर उनकी अकादमिक प्रतिबद्धता को दशार्ता है। राजा ज्वाला प्रसाद पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप सामाजिक समावेशन, समानता और वंचित समुदायों से संबंधित गहन शोध को प्रोत्साहित करने वाली एक प्रतिष्ठित अकादमिक योजना है। इस फेलोशिप के माध्यम से शोधकताओं को स्वतंत्र अनुसंधान का अवसर मिलता है, जिससे उनका शैक्षणिक विकास तो होता ही है, साथ ही समाज और नीति-निर्माण के लिए भी महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित होता है। डॉ. अभिषेक वर्मा का यह चयन उनके निरंतर परिश्रम, अकादमिक उत्कृष्टता और सामाजिक सरोकारों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण का परिणाम है। यह उपलब्धि न केवल उनके करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, बल्कि गया जैसे ऐतिहासिक और बौद्धिक रूप से समृद्ध क्षेत्र के लिए भी गर्व का विषय है।

उनकी सफलता से गया और आसपास के क्षेत्र के युवाओं को उच्च शिक्षा, शोध एवं विश्वविद्यालयी सेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

### विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार ने शहर के सीसीटीवी कैमरे एवं ट्रेफि क लाईट पर नगर आयुक्त को निर्देश

दैनिक बिहार पत्रिका

गया जी।अध्यक्ष बिहार विधानसभा डॉ. प्रेम कुमार ने आज गयाजी अतिथि गृह सभागार में गया नगर निगम के नगर आयुक्त एवं अन्य अधिकारियों के साथ शहर में लगाए जा रहे सीसीटीवी कैमरा एवं ट्रैफिक लाइट सिस्टम को लेकर समीक्षा बैठक की गई है। इस बैठक में शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर करने के उद्देश्य से विभिन्न स्थलों पर लगाए जा रहे सीसीटीवी कैमरा एवं ट्रैफिक सिग्नल प्रणाली की विस्तृत समीक्षा की गई है। इस दौरान गया नगर निगम के नगर आयुक्त एवं कार्य एजेंसी एलएनटी कंपनी के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे हैं। अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि गया शहर में आधुनिक तकनीक के माध्यम से यातायात नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शहर के 8 प्रमुख स्थलों पर ट्रैफिक लाइट सिस्टम तथा 67 स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने के लिए स्थल चयन किया गया है।

डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि गया शहर एक प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन नगरी है, इसलिए यहां आधुनिक निगरानी प्रणाली और सुदृढ़ यातायात व्यवस्था विकसित करना आवश्यक है। इससे न केवल शहर की सुरक्षा बढ़ेगी बल्कि पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं को भी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस बैठक में नगर निगम के अधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञ तथा संबंधित एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे हैं।

# त्योहारों में नई परंपरा नहीं, अफवाह फैलाने वालों से सख्ती से निपटें : डीएम सावन कुमार

## संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखेंगे अफसर स्पष्ट निर्देश

दैनिक बिहार पत्रिका

सुपौल. जिले में आगामी पर्व-त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर गुरुवार को समाहरणालय स्थित लहटन चौधरी सभागार में जिला शांति समिति की बैठक की गई. बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी सावन कुमार ने की. बैठक में जिला स्थापना दिवस, बिहार दिवस, ईद-उल-जोहा (ईद) तथा रामनवमी पर्व 2026 को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया. इस दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि इस वर्ष जिला स्थापना दिवस 14 मार्च 2026, बिहार दिवस 22 मार्च 2026, ईद-उल-जोहा (ईद) 21 मार्च 2026 तथा रामनवमी 27 मार्च 2026 को मनाई जाएगी. सभी पर्वों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने की अपील की गई. बैठक में सभी अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी व नगर परिषद एवं नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे. वहीं जिला शांति समिति के सभी सम्मानित सदस्य भी बैठक में उपस्थित थे. समिति के सदस्यों ने पुलिस प्रशासन से त्योहारों के दौरान विशेष सतर्कता बरतने का अनुरोध किया. जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक शरथ आरएस ने पुलिस प्रशासन तथा प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारियों को पर्व-त्योहारों के दौरान पूरी चौकसी बरतने का निर्देश दिया. साथ ही ईद और रामनवमी पर्व को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए डीजे के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आदेश भी दिया गया. प्रशासन ने स्पष्ट किया कि विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी सभी पर्व शांति, भाईचारे और सौहार्द के माहौल में मनाए जाएंगे. बैठक में अपर समाहर्ता सचिदानंद सुमन (राजस्व), अपर समाहर्ता (आपदा) मो तारिक अनवर, अपर समाहर्ता जिला लोक शिकायत निवारण, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (आईसीडीएस) सहित अमर कुमार चौधरी, रामचंद्र यादव, मो जमालउद्दीन, खुर्शीद आलम, जावेद अख्तर, एम वली, जावेद रफीक, धर्मेंद्र सिंह, जियाउर रहमान आदि मौजूद थे.

# रसोई गैस की किल्लत से उपभोक्ता परेशान, एजेंसी बंद रहने से बढ़ी समस्या

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। जिले के परबत्ता क्षेत्र में रसोई गैस को लेकर उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ गई है। स्थानीय गैस एजेंसियों पर समय पर गैस की आपूर्ति नहीं होने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी तनाव की खबरों के बीच गैस की कमी को लेकर तरह-तरह की चचाएं भी फैल रही हैं, जिससे लोग पहले से ही सिलेंडर लेने की कोशिश कर रहे हैं। गुरुवार को परबत्ता बाजार स्थित तिरुपति एचपी गैस ग्रामीण वितरक बंद रहने के कारण कई उपभोक्ताओं को खाली हाथ लौटना पड़ा। बताया जाता है कि बीते कुछ दिनों से एजेंसी पर गैस की आपूर्ति बाधित है। इससे नाराज उपभोक्ताओं ने कहा कि यदि यही स्थिति रही तो उन्हें मजबूर होकर जलावन का सहारा लेना पड़ेगा। मु. शमशेर, मु. अमीर और अमन कुमार समेत कई उपभोक्ताओं ने बताया कि रसोई गैस की किल्लत बनी हुई है। कई ग्रामीण इलाकों तक गैस की गाड़ियां नहीं पहुंच रही हैं और वेंडर भी गांवों तक सिलेंडर लेकर नहीं जा रहे हैं। ऐसे में लोगों को सीधे एजेंसी या गोदाम पहुंचकर सिलेंडर लेने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इस संबंध में तिरुपति एचपी गैस के कर्मी बबलू कुमार और मनोज कुमार ने बताया कि गुरुवार को गैस खत्म होने के कारण एजेंसी बंद रही। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को गैस की गाड़ी आने की संभावना है और सभी उपभोक्ताओं को सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं गोगरी एसडीओ संजय कुमार ने कहा कि रसोई गैस की कोई कमी नहीं है। अनुमंडल क्षेत्र के सभी गैस एजेंसियों पर मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति की गई है और स्थिति की निगरानी की जा रही है। प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट सोनू कुमार ने बताया कि 13 मार्च को मुख्यमंत्री के परबत्ता आगमन को लेकर वे कार्यक्रम में व्यस्त हैं। कार्यक्रम के बाद गैस एजेंसी की जांच की जाएगी। गैस की किल्लत से स्थानीय उपभोक्ताओं और ग्रामीणों में चिंता बनी हुई है। लोगों का कहना है कि समय पर गैस उपलब्ध नहीं होने से घरेलू कामकाज प्रभावित हो रहा है और जल्द समस्या का समाधान होना चाहिए।

## सीएनजी वाहन और बाइक की टक्कर में युवक गंभीर रूप से घायल

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। खगड़िया जिले के गोगरी थाना क्षेत्र के महेशखूंट थाना अंतर्गत गुरुवार सुबह एक सीएनजी वाहन और बाइक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। यह दुर्घटना मदारपुर के पास सुबह करीब सात बजे हुई, जिसमें बाइक सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान खगड़िया जिले के गोगरी लतामबाड़ी निवासी अवधेश कुमार के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों की मदद से उसे तुरंत गोगरी अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया। सिर और हाथ में आई गंभीर चोट अनुमंडल अस्पताल में डॉ. संजीव कुमार ने अवधेश को प्राथमिक उपचार दिया। डॉक्टर ने बताया कि युवक के सिर और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उसे खगड़िया सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद कुछ देर के लिए सड़क पर आवागमन भी बाधित रहा।

# देश की आजादी की रक्षा का संकल्प युवाओं को लेना होगा : सम्राट

पटना। जल मित्र सामाजिक संगठन के तत्वावधान में आज बापू सभागार में अमर शहीद जुब्बा साहनी का शहादत मनाया गया। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, ने इस मौके पर कहा कि देश की आजादी का संकल्प लिये जिन महान सपूतों ने अपनी जान न्योछावर की,वैसे सपूतों के आदर्शों पर युवा पीढ़ी को चलने का संकल्प लेना होगा। जुब्बा साहनी की शहादत से हमें प्रेरणा मिलती है और सकलदेव बिंद,उनके साथियों और जल मित्र सामाजिक संगठन के जरिये इतना बढ़िया कार्यक्रम के लिए उन्हें बधाई देते हैं, जिन्होंने जुब्बा साहनी के विचारों को हर घर हर गांव तक पहुंचाने का प्रयास किया है। इसके पूर्व डिप्टी सीएम चौधरी ने जुब्बा साहनी के तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ,सहकारिता मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी सहित प्रदेश से जुब्बा साहनी को मानने वाले हजारों लोग पहुंचे। उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि हम सब माँ

भारती के संतान हैं। जुब्बा साहनी भारत माता के वीर सपूत थे.इन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ मजबूती से लड़ाई लड़ी और शहीद हुए.जुब्बा साहनी की शहादत हमें गौरवान्वित करती है। हम जुब्बा साहनी के सपनों का भारत बनाएँगे। सकलदेव बिंद इस आयोजन के लिए बधाई के पात्र हैं। विजय सिन्हा ने कहा कि भाजपा में हरेक वर्ग का सम्मान है। भय भूख और भ्रष्टाचार को हटाने के लिए हम सब प्रतिबद्ध हैं। एन डी ए सरकार में सबका साथ सबका विकास समाहित है। हमने लूट की संस्कृति को बदल कर सुशासन ला दिया है। भाजपा का कार्यकर्ता तुलसी के पत्ते की तरह है। इसमें सभी कार्यकर्ता एक समान हैं। जल मित्र सामाजिक संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सकलदेव बिंद ने कहा कि अमर शहीद जुब्बा साहनी महान स्वतंत्रता सेनानी थे। इस वीर बहादुर ने अग्रेजों को देश से भगाया था। निषाद समाज का देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हम सब जुब्बा सहनी के बताए रास्ते पर चलेंगे। सकलदेव बिंद ने कहा कि निषाद समाज के लोग काफी गरीब हैं। यह प्रदेश की तीसरी बड़ी आबादी वाली जाति है। लेकिन आज तक उचित भागीदारी नहीं मिली। पूरे बिहार में अगर कहीं भी निषाद समाज पर अत्याचार होगा वहां सकलदेव बिंद खड़ा रहेगा। पूरा जीवन समाज के लिए समर्पित है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदुमन बेलदार ने सकल देव बिंद को मल्लाह समाज का सर्वमान्य नेता बताया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जुब्बा साहनी ने देश में आजादी का लौ जलाया। देश के लिए फाँसी पर चढ़ गए। मल्लाह समाज के हक और अधिकार दिलाने के लिए एनडीए सरकार प्रतिबद्ध है। .सहकारिता मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी ने कहा कि भारत की लड़ाई में जुब्बा साहनी का महत्वपूर्ण योगदान है। देश के विकास में अतिपिछड़ा समाज की महत्वपूर्ण भूमिका है। बिहार सरकार मल्लाह समाज के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मौके पर मुकेश निषाद,सतीश चौहान,सरिता रानी बिंद,रिंकी बिंद,दीपक साहनी सहित हजारों लोग मौजूद थे।

## केन्द्र और राज्य सरकार मिलकर बिहार में खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध : सम्राट

पटना। 11 से 17 मार्च तक पाटलिपुत्र खेल परिसर के इंडोर स्टेडियम में आयोजित द्वितीय बिहार महिला कबड्डी लीग 2026 का उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने द्वितीय बिहार महिला कबड्डी लीग का विधिवत उद्घाटन ट्रॉफी का अनावरण कर किया। मुख्य अतिथि खेल मंत्री श्रेयसी सिंह, विशिष्ट अतिथि बिहार के पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, महिला एवं बाल विकास निगम की प्रबंध निदेशक बंदना प्रेयसी, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण,खेल विभाग के सचिव महेन्द्र कुमार , बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के निदेशक रविंद्र नाथ चौधरी, पूर्व निदेशक संजय कुमार, प्राधिकरण के उप निदेशक हिमांशु सिंह, क्रीड़ा कार्यपालक आनंदी कुमार,बिहार कबड्डी संघ के सचिव कुमार विजय भी साथ में इस अवसर पर उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि विनय कुमार और बंदना प्रेयसी ने खिलाड़ियों से हाथ मिला कर उन्हें प्रोत्साहित किया। राष्ट्रगान के बाद ट्रॉफी का अनावरण किया गया तथा मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि गणों को प्रतीक चिन्ह देकर अभिनंदन किया गया। बिहार महिला कबड्डी लीग की ट्रॉफी का अनावरण कर अपने संबोधन में सम्राट चौधरी ने उपस्थिति लोगों का अभिनंदन करते हुए कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार मिलकर बिहार में खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए हर संभव प्रयास और सहयोग किया जा रहा है।मुख्य अतिथि खेल मंत्रीश्रेयसी सिंह ने सभी का अभिनंदन करते हुए अपने संबोधन में कहा कि सरकार और खिलाडियों के प्रयास से बिहार खेल में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निरंतर नयी ऊंचाईयों को छू रहा है। हमारा प्रयास है कि आने वाले ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों में बिहार के कुछ खिलाड़ी अवश्य रहें और इसी को लक्ष्य बना कर खेल के क्षेत्र में हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

# चापाकलों की मरम्मति हेतु सातों प्रखण्ड के लिए मरम्मति दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया

जहानाबाद जिला पदाधिकारी श्रीमती अलंकृता पाण्डेय द्वारा समाहरणालय परिसर में लोक स्वास्थ्य प्रमण्डल, अंतर्गत क्रियान्वित चापाकलों की मरम्मति हेतु सातों प्रखण्ड के लिए सात अदद चापाकल मरम्मति दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जिला पदाधिकारी ने बताया कि आने वाले ग्रीष्म ऋतु के मद्देनजर जिले में खराब पड़े चापाकलों की मरम्मति हेतु आज दिनांक 11 मार्च से जिले के सातों प्रखण्डों में सात अदद चापाकल मरम्मति दल विभिन्न वाहनों के द्वारा रवाना किया गया है। उन्होंने बताया कि जिला अंतर्गत कुल चापाकलों की संख्या 12127 है। साधारण मरम्मति के अभाव में बंद पडे चापाकलों का विभागीय स्तर से एवं विधायक, अन्य जन प्रतिनिधियों तथा अन्य श्रोतों से प्राप्त शिकायतों का त्वरित निष्पादन करते हुए

विगत वित्तीय वर्ष में 1121 लक्ष्य के विरूद्ध 1650 चापाकलों को साधारण मरम्मति उपरांत चालू किया गया था ।चापाकल मरम्मति की शिकायतों के त्वरित निष्पादन हेतु जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष दिनांक 21 फरवरी से संचालित है। जिसका दूरभाष संख्या - 9430099051 है। नियंत्रण कक्ष में प्रतिनियुक्त कर्मी द्वारा सभी ग्राम पंचायत स्तर पर स्थानीय मुखिया से दूरभाष पर सम्पर्क स्थापित कर प्राप्त हो रहे शिकायतों का निष्पादन किया जा रहा है। चापाकलों की मरम्मति दल के रवाना कार्यक्रम मे जिला पदाधिकारी के साथ साथ अपर समाहर्ता, विशेष कार्यक्रम तेज नारायण राय, अपर समाहर्ता, विभागीय जाँच, विनय कुमार सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी, जहानाबाद, श्री राजीव रंजन सिन्हा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

# तख्तश्री कमेटी का चुनाव ढाई वर्ष से नहीं कराने पर निशांत से की शिकायत

पटना सिटी/आनंद केसरी। दशमेश पिता गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के 350वें प्रकाश पर्व पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निदेश पर की गई भव्य तैयारियां देश-विदेश के सिख आज भी नहीं भूले हैं। इसके बाद शुकराना समय से लेकर अब तक मनाए गए दशमेश पिता के प्रकाश पर्व पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सिख संगतों के सुख-सुविधा और विकास के लिए खासा पहल की है। केंद्र सरकार का भी पूरा सहयोग रहा है। बावजूद इसके प्रबंधक कमेटी, तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब का कार्यकाल जुलाई, 23 में ही पूरा हो जाने के बाद भी अब तक चुनाव नहीं करा पा रहा है। मुख्यमंत्री के पुत्र और जदयू के युवा तुर्क नेता निशांत कुमार नौ मार्च को तख्तश्री पटना साहिब

आए थे। दरबार साहिब से लौट कर जब वह वीआईपी लॉउंज जा रहे थे, तभी सरदार गुरुचरण सिंह आशिक ने उनका अभिवादन करते हुए कहा कि एक तरफ केंद्र और बिहार की सरकार लगातार सिख संगतों की सुख-सुविधा और विकास के लिए काम कर रही है। तख्तश्री कमेटी का कार्यकाल पूरा हो चुका है। करीब ढाई साल अधिक होने के बाद भी पदाधिकारीगण और कुछ सदस्य चुनाव नहीं होने दे रहे हैं। कोई न कोई अड़ंगा लगा कर लगातार चुनाव टालने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि पटना उच्च न्यायालय के द्वारा सख्त कार्रवाई किए जाने की चेतावनी पर महासचिव ने समय-सीमा के अंदर वहां वोटर लिस्ट जमा कर दिया। इसके बाद बिहार राज्य चुनाव प्राधिकार के द्वारा घोषित तिथि के अनुसार दावा/आपत्ति भी लेने का काम किया गया। मगर दावा/आपत्ति का निष्पादन करते हुए फाइनल वोटर लिस्ट अब तक प्राधिकार को उपलब्ध नहीं कराया गया है। कमेटी के पदाधिकारी और सदस्य आपस में मिलकर मलाई काट रहे हैं और मंत्री से लेकर अधिकारियों के साथ फोटो खिंचवाना और गोलक के पैसे की फिजूलखर्ची कर रहे हैं। हालांकि जब गुरुचरण जदयू नेता निशांत से अपनी बात कह रहे थे, तब कुछ लोगों ने हस्तक्षेप कर उन्हें किनारे कर दिया था।

## गौरीचक में अवैध देसी शराब के अड्डों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हजार लीटर अर्धनिर्मित शराब नष्ट, 65 लीटर चुलाई शराब बरामद.

फुलवारी शरीफ, पटना के गौरीचक थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में अवैध रूप से चल रहे देसी शराब निर्माण के अड्डों पर पुलिस ने बड़ी छापेमारी अभियान चलाया. गौरीचक थाना में प्रशिक्षण पर तैनात ट्रेनी आईपीएस सुषमा सागर के नेतृत्व में भारी पुलिस बल के साथ यह कार्रवाई की गई. छापेमारी के दौरान मुसहरी और गड्ढों में छुपाकर तैयार की जा रही देसी शराब के अड्डों को ध्वस्त कर दिया गया. ट्रेनी आईपीएस सुषमा सागर ने बताया कि मुस्तफापुर, उड़ान टोला, छोटी सपहुंआ और खैरा समेत कई इलाकों में गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई. इन स्थानों पर जमीन में गड्ढे बनाकर तथा झोपड़ीनुमा जगहों में छिपाकर अवैध देसी शराब का निर्माण किया जा रहा था. पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर इन सभी अड्डों को ध्वस्त कर दिया. छापेमारी के दौरान पुलिस ने करीब एक हजार लीटर अर्धनिर्मित देसी शराब (छोवा) को मौके पर ही विनष्ट कर दिया. इसके अलावा 65 लीटर तैयार चुलाई देसी शराब भी बरामद की गई. शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले जावा, महुआ, ड्रम, डिब्बा, बर्तन और अन्य उपकरणों को भी जब्त कर नष्ट कर दिया गया. पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में अवैध शराब कारोबारियों के बीच हड़कंप मच गया. छापेमारी की सूचना मिलते ही कई धंधेबाज मौके से फरार हो गए. पुलिस उनकी पहचान कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है. ट्रेनी आईपीएस सुषमा सागर ने कहा कि गौरीचक थाना क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण और बिक्री के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा. अवैध शराब के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

# अंचल अमीन मोटी रकम लेकर केवाला नंबर 94 जगह 95 दर्शाकर भुमि रखवा को बढ़ाकर किया रिपोर्ट

## अंचल अधिकारी कहते हैं मेरा बात कोई अमीन नहीं सुनता है।

**दैनिक बिहार पत्रिका**

सुपौलः जिले के त्रिवेणीगंज अंचल कार्यालय में भ्रष्टाचार का बोल वाला है ऐसा प्रतीत हो रहा है कि पैसा के बल पर आप यहा कुछ भी कर सकते हैं एक तरफ बिहार सरकार राज्य में भूमि सुधार के क्षेत्र दिन प्रति दिन ठोस कदम उठाने की बात करते हुए उसमें व्यापक रूप सुधार आने की दावे करती नजर आती है,राज्य सरकार इसके लिए कई ठोस और कड़े कदम उठाने की भी बात करती है लेकिन सरी उसके ठोस परिणाम के रूप जमीनी तौर त्रिवेणीगंज अंचल में कहीं दिखाई देती हुई सामने नजर नहीं आ रही है. पदाधिकारी सुधरने के बजाए उलटे और बड़े पैमाने और व्यापक रूप से मनमाने तौर पर कार्य करने से बाज नहीं आ रहे है जिसका जीता जागता उदाहरण है सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज अंचल में पद स्थापित अंचल अमीन अभिषेक कुमार के द्वारा खुलेआम पैसे के बल पर दस्तावेज नंबर बदलकर अधिक भूमि का रिपोर्ट किया है। जानकारी के मुताबिक जलालुद्दीन वगैरह मौज मानगंज खाता नंबर 627 खेसरा 2522 में नौ कट्ठा एक धुर जमीन खरीद की, जिस जमीन को अवैध रूप से डोमी साह व रघुनंदन साह कब्जा कर लिया। डोमि साह व रघुनंदन साह के दस्तावेज अनुसार जमाबंदी नंबर 2142 खाता 625 खेसरा 2460 रकवा नौ कट्ठा एक धुर ,खाता 627 खेसर 2509 एवं 2522 दोनो मिलजमुना 9 कट्ठा एक धुर प्राप्त है, पंजी 2 में तीनों मिलाकर 18 कट्ठा है डोमि साह व रघुनंदन साह के केवाला में स्पष्ट रूप से अलग-अलग खाता खेसरा रखवा अंकित है। लेकिन डोमी साह वो रघुनंदन शाह के द्वारा 2225 में ही 75 डिसमिल कब्जा कर रखा है, जिसको लेकर जलालुद्दीन के पुत्र पप्पू आलम ने अंचल अधिकारी को आवेदन दिया, हल्का कर्मचारी के रिपोर्ट पर अंचल अधिकारी के द्वारा मापी करने का आदेश दिया, माफी हेतु ऑनलाइन की गई उक्त जमीन की मापी करने हेतु

अंचल अधिकारी के द्वारा अभिषेक कुमार को प्रतिनुयुक्ति किया गया। आरोप यह है कि अंचल अमीन अभिषेक आनंद पप्पू आलम से मोटी रकम की मांग की नहीं देने पर आक्रोश अंचल अमीन अभिषेक आनंद ने डोमि साह वह रघुनंदन शाह के केवाला नंबर 94 के जगह 95 दर्शाकिर खेसरा 2225 में कुल रकवा 17 चार धुर यानी 75 डिसमिल चढ़ा कर अंचल अधिकारी को रिपोर्ट समर्पित कर दिया। जबकि डोमी साह वो रघुनंदन साह के दस्तावेज 94 दिनांक 3/1/1962 अनुसार खाता 627 खेसर 2509 एवं 2522 दोनो मिलजमुना 9 कट्ठा एक धुर प्राप्त ही है । इस मामले को लेकर अंचल अधिकारी प्रियंका सिंह से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि अंचल अमीन मेरा नहीं सुनता है आप (डीसीएलआर) साहब से बात कर लीजिए। अब सवाल जिला प्रशासन से आखिर किनके सहारे त्रिवेणीगंज अंचल को छोड़ दिए हैं क्या त्रिवेणीगंज की आम जनता को न्याय के लिए कहां-कहां भटकना पड़ेगा। न्याय की उम्मीद में बैठे लोग आपसे पूछ रहा है क्या हर एक काम के लिए पैसा देना ही त्रिवेणीगंज अंचल का मकसद बन गया है, हालांकि इस मामले को लेकर पीड़ित ने ऐसे भ्रष्ट अंचल अमीन अभिषेक आनंद पर सख्त कार्रवाई की मांग की है, हालांकि देखना दिलचस्प होगा कि ऐसे भ्रष्ट अंचल अमीन अभिषेक आनंद पर क्या कुछ कार्रवाई हो पाती है जिस पर सब की नजर टिकी हुई है।

# किसानों की आय बढ़ाने को आधुनिक तकनीक जरूरी : रामकृपाल

## फ्यूचर ऑफ फार्मिंग सम्मेलन में कृषि नवाचार और सतत विकास पर मंथन

पटना। इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स बिहार राज्य परिषद द्वारा होटल मौर्या, पटना में फ्यूचर ऑफ फार्मिंग किसानों को सशक्त बनाना, नवाचार को बढ़ावा देना और बिहार को आगे बढ़ाना विषय पर एक महत्वपूर्ण सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में नीति-निमाताओं, कृषि वैज्ञानिकों, प्रगतिशील किसानों, उद्यमियों तथा उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर बिहार के कृषि क्षेत्र के भविष्य, चुनौतियों और अवसरों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया ।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात आईसीसी बिहार राज्य परिषद के चेयरमैन एवं एस्ट्रिक ग्रुप के संस्थापक प्रभात कुमार सिन्हा ने स्वागत भाषण देते हुए राज्य के कृषि क्षेत्र में नवाचार, सहयोग तथा नीति समर्थन की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने अपने संबोधन में

किसानों की आय बढ़ाने, आधुनिक तकनीक को अपनाने तथा सतत कृषि प्रणाली को सुदृढ़ करने पर बल दिया ।कार्यक्रम में डॉ. पल्लव शेखर, डीन, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय ने पशुपालन क्षेत्र में डिजिटल नवाचार, अनुसंधान तथा जीनोमिक्स की भूमिका पर प्रकाश डाला। वहीं डॉ. आदित्य सिन्हा, कार्यकारी निदेशक, सी-डैक ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और डिजिटल समाधानों के माध्यम से कृषि एवं उससे जुड़े क्षेत्रों में परिवर्तन की संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर विधायक संजीव चौरसिया, अध्यक्ष, यूरोप-एशिया सेंटर, ब्रुसेल्स एरिक सोलहाइम, अतिथि सम्मान के रूप में शामिल हुए। सम्मेलन में बिहार की बात मंत्री के साथ शीर्षक से एक विशेष संवाद सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को कृषि मंत्री के साथ सीधे संवाद का अवसर प्राप्त हुआ ।कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में तकनीक आधारित कृषि परिवर्तन, प्रिसिजन फार्मिंग, मत्स्य पालन एवं पोल्ट्री क्षेत्र में नवाचार, जलवायु-अनुकूल कृषि रसायन, एग्रोवोल्टिक्स, सौर ऊर्जा आधारित कोल्ड चेन अवसंरचना तथा फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने के लिए सोलर ड्रायर जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

## संरक्षित खेती विषय पर सेमिनार का आयोजन

जहानाबाद जिला उद्यान कार्यालय के द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र गंधार के प्रांगण में संरक्षित खेती विषय पर किसानों का सेमिनार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जहानाबाद जिला के विभिन्न प्रखंडों से कुल 100 किसानों के द्वारा भाग लिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य, नालंदा उद्यान महाविद्यालय, नूरसराय-डॉ रणधीर कुमार एवं क्षेत्रीय निदेशक कृषि अनुसंधान संस्थान, पटना डॉ शिवनाथ दास के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर सहायक प्राध्यापक करणजीत कुमार, वरीय वैज्ञानिक-सह-प्रधान, कृषि विज्ञान केंद्र गंधार डॉ मुनेश्वर प्रसाद, जिला कृषि पदाधिकारी संभावना, एवं अन्य वैज्ञानिक एवं पदाधिकारी उपस्थित थे। गणमान्य अतिथियों वैज्ञानिकों द्वारा किसानों के बीच संरक्षित खेती के महत्व पर चर्चा करते हुए पॉली हाउस, ग्रीन हाउस एवं नेट हाउस में फूल, फल, सब्जी, औषधीय एवं सुगंधित पौधों,फसलों की खेती पर आवश्यक जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि यह फसल की पैदावार, गुणवत्ता और जल दक्षता को बढ़ाती है, जिससे उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों का पूरे वर्ष, ऑफ-सीजन उत्पादन संभव हो पाता है, साथ ही उन्हें कीटों, बीमारियों और खराब मौसम से भी बचाया जा सकता है।

## संक्षिप्त खबर

### बेऊर में लावारिस लग्जरी कार से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद, तस्कर फरार.

फुलवारी शरीफ, पटना के बेऊर थाना क्षेत्र के महावीर कॉलोनी रोड नंबर-15 में खड़ी एक लावारिस लग्जरी कार से मध्य निषेध विभाग की टीम ने भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की है. गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में करीब 2.25 लाख रुपये मूल्य की शराब जब्त की गई है. जानकारी के अनुसार बुधवार को करीब 4:40 बजे मध्य निषेध विभाग को सूचना मिली कि महावीर कॉलोनी में एक बलेनो कार खड़ी है, जिसमें अंग्रेजी शराब लोड है. सूचना मिलते ही निरीक्षक नरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन कर मौके पर छापेमारी की गई. पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर काफी देर तक कार के चालक का इंतजार करती रही, लेकिन कोई भी वहां नहीं पहुंचा. पुलिस का मानना है कि संभवतः शराब तस्करों को पुलिस कार्रवाई की भनक लग गई, जिसके कारण वे मौके पर नहीं आए और वाहन को वहीं छोड़कर फरार हो गए. इसके बाद पुलिस ने कार की तलाशी ली, जिसमें से 1046 टेट्रा पैक अंग्रेजी शराब (करीब 188.28 लीटर) बरामद की गई. जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख 25 हजार रुपये बताई जा रही है. मध्य निषेध विभाग की टीम ने कार और बरामद शराब को जब्त कर लिया है. हालांकि इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है. पुलिस वाहन मालिक और शराब तस्करों की पहचान के लिए जांच में जुटी है.इस कार्रवाई में निरीक्षक नरेन्द्र कुमार के अलावा मो. फैसल, मनीष कुमार, एएसआई पुरुषोत्तम तथा सिपाही विवेक, अमरेश और लालचंद शामिल थे. पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है.

### रसोई गैस का मूल्य बढ़ने पर जलाया पेट्रोलियम मंत्री का पुतला

पटना सिटी/संवाददाता। पटना महानगर कांग्रेस कमेटी पिछड़ा विभाग के अध्यक्ष अशोक यादव के नेतृत्व में आक्रोश मार्च निकाला गया। इसमें रसोई गैस के दाम में बढ़ोतरी के खिलाफ पेट्रोलियम मंत्री का पुतला दहन गुरु के बाग के पास किया गया। केंद्र सरकार से मांग की गई कि अविलंब रसोई गैस की बढ़ी कीमत को वापस लिया जाए। ऐसा नहीं होने पर आगे भी कांग्रेसी जनता का साथ लेकर आंदोलन करते रहेंगे। आंदोलन में घनश्याम शर्मा, बाल किशोर राय, दीपक शर्मा, सतीश यादव, विजय यादव, गिरीश यादव, रामजीवन दास, रघु साहब आदि शामिल थे।

### हजरत अली की शहादत पर निकला मातमी जुलूस, किया सीनाजनी

पटना सिटी/संवाददाता। हजरत अली की शहादत पर शिया समाज की ओर से बुधवार को मातमी जुलूस निकाला गया। बावली इमामबाड़ा में सुबह की नमाज के बाद सैय्यद मुजफ्फर रजा की तकरीर के साथ जुलूस निकाला गया। मातमी जुलूस अशोक राजपथ के मुख्य मार्ग से होता गुजरी बाजार स्थित बड़ी हवेली पहुंचा। यहां मजलिस व मौलाना की तकरीर हुई। जुलूस में शामिल लोग सीनाजनी करते चल रहे थे। इसके बाद शाम को सुदर्शन पथ के काठ का पुल स्थित डॉ सैय्यद सफदर अली खान इमामबाड़ा में अपराह्न में महिलाओं की मजलिस हुई। इसके बाद अलम व ताबूत के साथ जुलूस निकाला गया। यह नवढाल, मोगलपुरा, दोरूखी होते हुए चोआ लाल लेन याहिया मंजिल पहुंचा। रास्ते में सैय्यद कैसर मेहंदी नोहा पढ़ते चल रहे थे। याहिया मंजिल में मर्सिया सैय्यद इकबाल हुसैन अजीमाबादी ने पढ़ी। मौलाना सैयद शब्बीर मेहंदी की तकरीर हुई। जुलूस से पहले इमामबाड़ा में महिलाओं की मजलिस, सोज, हदीस और नौहाखानी डॉ अंजुम फातमा की तकरीर हुई। जुलूस में संयोजक डॉ सिकंदर अली खां, आईएएस मजहर, अहमद अली, मो अली, चमडोरिया दरगाह के सचिव शाह जौहर इमाम जौनी, नैय्यर हसैनन खान, सरबर इमाम, सैयद हसन अली, तनवीरूल हसन तन्नू, सैयद जियारत हुसैन उर्फ पन्ना सैकड़ों की संख्या में शिया समुदाय के लोग शामिल थे। नौजर कटरा स्थित कर्नल कलवे अली खां के इमामबाड़ा में तड़के हुए मजलिस मे अजमेरशरीफ से आए मौलाना गुलजार जाफरी ने तकरीर की। इसके बाद अंजुमन ए अब्बासिया ने नौहाखानी करते हुए ताबूत निकाला। चमडोरिया दरगाह के सचिवशाह जौहर इमाम जौनी, सरबर इमाम व डॉ सिकंदर अली ने बताया कि पहले इमाम हजरत अली पर 19वें रमजान को हमला हुआ था और 21वें रमजान में शहादत कुफा के मस्जिद में हुई थी।

### शीतलाष्टमी पूजा-अर्चना की रही होड़, गांव-शहर के भक्त जुटे

पटना सिटी/संवाददाता। अगमकुआं स्थित शीतला माता मंदिर में शीतला अष्टमी पर माता शीतला की पूजा-अर्चना की गई। मंदिर के पुजारी जयप्रकाश, अमरनाथ बबलू, मनोज श्रीमाली उर्फ छोटू पुजारी, पंकज पुजारी व सुनील पुजारी ने बताया कि मंदिर में बसियौरा मेला में पूजा-अर्चना के लिए सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी थी। मेला तीन दिनों तक चलेगा। अष्टमी पूजन के लिए श्रद्धालु नर-नारियों की टोली सुबह में पूजा-अर्चना को जुटी थी। इससे पहले माली समाज के संयोजक अभिषेक कुमार फंटूस, मनोज मालाकार, सदस्य मुकेश राजवीर, संजीत कुमार आदि की देखरेख में पूजा-अर्चना अल सुबह हुई। गुरुवार को नवमी पूजन के साथ तीन दिनों के मेला का समापन होगा। इस दौरान शहर व गांव से आए लोगों की भीड़ पूजा को जुटी थी।

### भक्तों ने सुनी शिव महापुराण की कथा

पटना सिटी/संवाददाता। दीवान मुहल्ला सीढ़ी घाट स्थित प्राचीन शिव मंदिर में शिव महापुराण कथा का श्रवण भक्तों ने किया। गंगा दर्शन समिति की ओर से आयोजित कथा में गंगोत्री धाम से पधारे संत ओम प्रकाश शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ धार्मिक पूजन के बाद शिव पार्वती आधारित कथा की। कथा का समापन 17 मार्च को होगा। आयोजन में अतुल श्रेष्ठ, पुष्पा प्रसाद, अनिल श्रीवास्तव, शेखर झा, मनीष कुमार, संजय यादव, विकास यादव, सौरव, चुन्नू, बंटी, मुन्ना माली, रविंद्र कुमार मिश्र आदि सक्रिय है।

### हुमाद गली नेता की बाइक चोरी, डीएसपी ने जब्ती का दिया भरोसा

पटना सिटी/संवाददाता। चौक थाना क्षेत्र के हुमाद गली से राजद नेता सह समाजसेवी पप्पू त्रिवेदी की मोटरसाइकिल चोरी चली गई। बाइक बीआर 45एच 9323 दरवाजे के पास से चोरी हो गई। घटनास्थल का निरीक्षण डीएसपी-2 डॉ गौरव कुमार ने कर टीओपी प्रभारी गौरव कुमार सिंह को जल्द वाहन बरामद करने का निर्देश दिया। इस मौके पर मुहल्ला वासियों ने कहा कि 200 मीटर के दायरे में इस मुहल्ले से दरवाजे से ही विक्की कुमार, संजय कुमार, संजीत कुमार आदि की भी गाड़ी चोरी हुई है।

### एसबीआई ने भारत विकास विकलांग अस्पताल को दिया सोलर पैनल व जनरेटर

पटना सिटी/संवाददाता। सामाजिक दायित्व के पालन में स्टेट बैंक आफ इंडिया मुख्यालय में प्रबंध निदेशक (रिटेल) राम मोहन राव अमारा द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत सेवा का कार्य किया। प्रधान कार्यालय में अधिकारियों की उपस्थिति में भारत विकास विकलांग अस्पताल को सीएसआर के तहत 32 लाख 82 हजार की राशि सोलर पैनल एवं जनरेटर के लिए प्रदान की गई। इस दौरान मुख्य प्रबंधक अनुराग जोशी, महाप्रबंधक (नेटवर्क दक्षिण बिहार) रविंद्र कुमार श्रीवास्तव, एजीएम कृष्णा नंदन अमिताभ, उप महाप्रबंधक मनीष कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक (पटना पूर्वी) राजवर्धन आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री राव ने कहा कि बैंकिंग के साथ-साथ सामाजिक दायित्व का पालन स्टेट बैंक हमेशा से करता रहा है। निराश्रितों को आसरा देने में महत्वपूर्ण भूमिका बैंक निभा रही है। संस्था के 21वीं सदी का बिहार : दिव्यांगता मुक्त बिहार के संकल्प को पूरा करने में बैंक भी अपना योगदान देगा। संस्था के महासचिव पद्मश्री डॉ बिमल जैन ने प्रबंध निदेशक का आभार व्यक्त करते हुए अनुरोध किया कि बिहार की सभी शाखाओं में एक छोटा सा सेवा का बोर्ड लगाने का निर्णय लिया जाए, ताकि हमारी सेवा का प्रचार निर्धन दिव्यांग तक पहुंच सके और हमें पहले की अपेक्षा अधिक दिव्यांगों की सेवा का मौका मिल सके। इस अवसर पर अस्पताल के न्यासी विवेक माथुर ने अधिकारियों को अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया।

## (चिंतन-मनन)

### जीव परमेश्वर की परा शक्ति

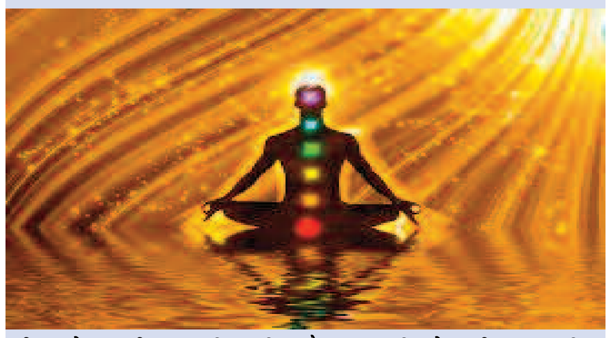

जीव परमेश्वर की परा प्रकृति (शक्ति) है। अपरा शक्ति तो पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, मन, बुद्धि तथा अहंकार जैसे विभिन्न तत्वों के रूप में प्रकट होती है। भौतिक प्रकृति के ये दोनों रूप-स्थूल (पृथ्वी आदि) तथा सूक्ष्म (मन आदि) अपरा शक्ति के ही प्रतिफल हैं। जीव जो अपने विभिन्न कार्य के लिए अपरा शक्तियों का विदोहन करता रहता है, स्वयं परमेश्वर की परा शक्ति है और यह वही शक्ति है जिसके कारण सारा संसार कार्यशील है। इस दृश्य जगत में कार्य करने की तब तक शक्ति नहीं आती, जब तक परा शक्ति अर्थात जीव द्वारा यह गतिशील नहीं बनाया जाता। शक्ति का नियंत्रण सदैव शक्तिमान करता है, अतः जीव सदैव भगवान द्वारा नियंत्रित होते हैं। जीवों का अपना कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है। वे कभी भी सम शक्तिमान नहीं, जैसा कि बुद्धिहीन मनुष्य सोचते हैं। श्रीमद्भागवत में जीव तथा भगवान के अन्तर को इस प्रकार बताया गया है- ह्यर्ृ परम शात! यदि सारे देहधारी जीव आप ही की तरह शात एवं सर्वव्यापी होते तो वे आपके नियंत्रण में न होते। किन्तु यदि जीवों को आपकी सूक्ष्म शक्ति के रूप में मान लिया जाए, तब वे सभी आपके परम नियंत्रण में आ जाते हैं। अतः वास्तविक मुक्ति आपकी शरण में जाना है और इस शरणागति से वे सुखी होंगे। परमेश्वर कृष्ण एकमात्र नियन्ता हैं और सारे जीव उन्हीं के द्वारा नियंत्रित हैं। सारे जीव उनकी पराशक्ति हैं, क्योंकि उनके गुण परमेश्वर के समान हैं, किन्तु वे शक्ति की मात्रा के विषय में समान नहीं हैं। स्थूल व सूक्ष्म अपरा शक्ति का उपभोग करते हुए परा शक्ति (जीव) को अपने वास्तविक मन तथा बुद्धि की विस्मृति हो जाती है। इसका कारण जीव पर जड़ प्रकृति का प्रभाव है। माया के प्रभाव में अहंकार सोचता है, मैं ही पदार्थ हूं और सारी भौतिक उपलब्धि मेरी है किंतु जब वह सारे भौतिक विचारों से मुक्त हो जाता है, तो उसे वास्तविक स्थिति प्राप्त होती है। गीता जीव को कृष्ण की अनेक शक्तियों में से एक मानती है और जब यह शक्ति भौतिक कल्मष से मुक्त हो जाती है, तो पूर्णतया कृष्णभावनाभावित या बंधनमुक्त हो जाती है।

## संतुलित मस्तिष्क आत्मनियंत्रण विवेक और सदुपयोग से ही निर्मित श्रेष्ठ जीवन का आधार

मानव जीवन की सफलता केवल बाहरी उपलब्धियों से नहीं मापी जाती बल्कि उसके विचारों के संतुलन और चरित्र की श्रेष्ठता से मापी जाती है। जीवन में व्यवस्था शीलता और उन्नति तभी संभव है जब मनुष्य का मस्तिष्क संतुलित हो। संतुलित मस्तिष्क व्यक्ति को सही निर्णय लेने की क्षमता देता है और उसे गलत मार्ग पर जाने से रोकता है। इस संतुलन की सबसे बड़ी शर्त है अपने आवेगों पर नियंत्रण। जब मनुष्य अपने भावों इच्छाओं और प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करना सीख लेता है तब उसका जीवन स्थिर और सफल बनता है। मनुष्य जन्म से अपराधी नहीं होता। प्रत्येक व्यक्ति के भीतर अच्छाई की संभावना मौजूद रहती है। किन्तु जब आवेग मनुष्य के मन पर हावी हो जाते हैं तब वह सही और गलत का विवेक खो बैठता है। आवेग एक मानसिक तूफान की तरह होते हैं जो व्यक्ति के मस्तिष्क को असंतुलित कर देते हैं। जब यह स्थिति उत्पन्न होती है तब मनुष्य क्षणिक भावनाओं के प्रभाव में ऐसे कार्य कर बैठता है जिनका परिणाम बाद में उसे दुख और पश्चाताप के रूप में भुगतना पड़ता है। क्रोध ईर्ष्या लालच और द्वेष जैसे आवेग व्यक्ति की बुद्धि को ढक लेते हैं और उसके निर्णयों को भ्रमित कर देते हैं। मस्तिष्क मनुष्य के जीवन का मार्गदर्शक है। वही व्यक्ति के चरित्र को दिशा देता है और उसे संयमित बनाता है। जब मस्तिष्क संतुलित रहता है तब व्यक्ति अपने कार्यों के परिणामों को समझते हुए आगे बढ़ता है। लेकिन जब मस्तिष्क असंतुलित हो जाता है तब मनुष्य क्या कर बैठे इसका अनुमान लगाना कठिन हो जाता है। इसलिए अपने आवेगों को नियंत्रित करना सबसे बड़ी साधना और सबसे बड़ा तप माना गया है। यह साधना मनुष्य को आत्मबल देती है और उसे जीवन के कठिन क्षणों में भी धैर्य बनाए रखने की शक्ति प्रदान करती है। आवेगों का जन्म अक्सर बाहरी परिस्थितियों से होता है। जब व्यक्ति प्रतिकूल स्थितियों का सामना करता है तब उसके भीतर असंतोष या क्रोध उत्पन्न हो सकता है। इसलिए यह आवश्यक है कि मनुष्य अपने वातावरण को जितना संभव हो उतना शांत और संतुलित बनाए। किन्तु यह भी सत्य है कि संसार में सभी लोग एक समान नहीं सोचते। प्रत्येक व्यक्ति की अपनी सोच और अपनी दृष्टि होती है। इसलिए जीवन में प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना अनिवार्य है। ऐसे समय में धैर्य और संयम का मार्ग ही व्यक्ति को सही दिशा देता है। जीवन की वास्तविक कला यही है कि मनुष्य परिस्थितियों की कठिनाइयों को स्वीकार करते हुए अपने मन को स्थिर बनाए रखे। जो व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में भी अपने आवेगों को नियंत्रित कर लेता है वही वास्तव में संतुलित और परिपक्व कहलाता है। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जहां धैर्य और संतुलन ने बड़ी आपदाओं को टाल दिया। जब सीमाओं पर तनाव की स्थिति उत्पन्न हुई तब भी संयम और विवेक के कारण व्यापक संघर्ष से बचाव संभव हुआ। शक्ति होने के बाद भी संयम रखना ही सच्ची महानता का प्रतीक है। आज के समय में संसार का वातावरण तेजी से बदल रहा है। जीवन की गति बढ़ गई है और प्रतिस्पर्धा भी बढ़ती जा रही है। इस कारण लोगों के मन में असंतुलन और तनाव भी बढ़ रहा है। कई बार व्यक्ति बिना सोचे समझे केवल भावनाओं के प्रभाव में निर्णय ले लेता है। यही कारण है कि समाज में अस्थिरता और संघर्ष की घटनाएं बढ़ती दिखाई देती हैं। ऐसे समय में धर्म और नैतिकता का मार्ग ही मनुष्य को संतुलन प्रदान कर सकता है। धर्म का अर्थ केवल पूजा या अनुष्ठान नहीं है बल्कि वह जीवन की वह दृष्टि है जो व्यक्ति को समता धैर्य और संयम सिखाती है। यदि गहराई से देखा जाए तो आधुनिक मनुष्य वास्तव में उतना स्वतंत्र नहीं है जितना वह स्वयं को समझता है। उसके विचार और व्यवहार अनेक प्रकार के प्रभावों से संचालित होते हैं। भावनाओं के स्तर पर वह राग द्वेष ईर्ष्या और लालच जैसे आवेगों के अधीन रहता है। ये आवेग उसकी चेतना को इस प्रकार प्रभावित करते हैं कि वह स्वतंत्र रूप से सोच ही नहीं पाता। कई बार जब इन आवेगों के कारण वह किसी संकट में पड़ जाता है तब उसे अपनी भूल का एहसास होता है। किन्तु उस समय तक बहुत कुछ खो चुका होता है। इसलिए आवश्यक है कि व्यक्ति अपने विचारों को तथ्य और परिणाम के आधार पर विकसित करे। यदि विचार केवल भावनाओं के प्रभाव में बन रहे हों तो समझ लेना चाहिए कि मन किसी आवेग के अधीन है। आवेग में किया गया विचार स्वतंत्र विचार नहीं होता बल्कि वह परतंत्रता का संकेत होता है। ऐसे विचार व्यक्ति को सही दिशा से भटका देते हैं। स्वतंत्र चिंतन तभी संभव है जब मनुष्य अपने भीतर के आवेगों और आग्रहों से ऊपर उठ सके। भौतिक जीवन में भी मनुष्य कई बार स्वयं निर्णय नहीं लेता बल्कि दूसरों को देखकर अपने व्यवहार को निर्धारित करता है। वह सोचता है कि यदि किसी अन्य व्यक्ति ने ऐसा किया है तो मुझे भी वैसा ही करना चाहिए। इस प्रकार वह अनजाने में दूसरों के प्रभाव में आकर जीवन जीने लगता है। यह स्थिति भी एक प्रकार की परतंत्रता है। जब व्यक्ति दूसरों की नकल करता है तब वह अपने विवेक का उपयोग नहीं करता। समाज में दहेज प्रथा प्रदर्शन और अनावश्यक खर्च की प्रवृत्ति इसी मानसिकता का परिणाम है। यदि व्यक्ति वास्तव में स्वतंत्र और संतुलित जीवन जीना चाहता है तो उसे अपने विचारों और कार्यों का आधार विवेक और नैतिकता को बनाना होगा। उसे यह समझना होगा कि जीवन की वास्तविक श्रेष्ठता दिखावे या प्रतिस्पर्धा में नहीं बल्कि संयम और संतुलन में है। संपत्ति के विषय में भी यही सिद्धांत लागू होता है। जो व्यक्ति परिश्रम करता है और दुर्व्यसनों से दूर रहता है उसके पास संपत्ति का संचय होना स्वाभाविक है। किन्तु यह संपत्ति केवल अहंकार या प्रदर्शन के लिए नहीं होनी चाहिए। यदि धन का उपयोग केवल स्वार्थ और दिखावे में किया जाए तो वह अंततः व्यक्ति और समाज दोनों के लिए हानिकारक सिद्ध होता है। संपत्ति का संचय करने के पीछे श्रम बुद्धि और संयम का योगदान होता है। व्यक्ति अपनी ऊर्जा और समय लगाकर जो कुछ अर्जित करता है उसका सही उपयोग करना भी उसकी जिम्मेदारी है।

## राहुल गांधी के सवालों का जबाव क्या सत्ता के पास नहीं?

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत संसद है। संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि सत्ता और विपक्ष के बीच संवाद, बहस और जवाबदेही का भी केंद्र है। ऐसे में यदि विपक्ष के प्रमुख नेता को अपनी बात रखने का अवसर न मिले, तो यह लोकतांत्रिक परंपराओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। हाल के दिनों में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को संसद में बोलने से रोकने को लेकर लगातार विवाद उठता रहा है। आखिर वो ऐसा क्या बोल देंगे जिससे सत्तापक्ष घबरा जायेगा ? मान लिया जाये कि उन्होंने कुछ कहा तो आप तो सत्तापक्ष है अपना बड़प्पन दिखाते हुए संसद में उन्हें सही कर दें? वहीं इससे लगता है कि सत्तापक्ष उन्हें अधिक फुटेज देना नहीं चाहता। कभी राहुल गांधी को पप्पू की संज्ञा देने में भाजपा ने करोड़ों खर्च कर दिए। वहीं राहुल गांधी ने एक परिपक्व नेता की तरह अपने को साबित कर दिया है कि उनके सवालों का जबाव भाजपा के पास नहीं है ? विपक्ष का आरोप है कि जब भी राहुल गांधी सरकार की नीतियों, आर्थिक मुद्दों या विदेश नीति पर सवाल उठाना चाहते हैं, तब सत्ता पक्ष शोर-शराबा या प्रक्रियात्मक आपत्तियों के जरिए उनकी आवाज दबाने की कोशिश करता है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इसे लोकतंत्र की आत्मा के खिलाफ बताते हैं। उनका कहना है कि संसद में चुने हुए प्रतिनिधि को बोलने से रोकना जनता की आवाज को रोकने के समान है। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष का तर्क अलग है। भारतीय जनता पार्टी का कहना है कि राहुल गांधी कई बार ऐसे आरोप लगाते हैं जो तथ्यों पर आधारित नहीं होते या संसद की गरिमा के खिलाफ होते हैं। इसलिए जब तक वे अपने आरोपों के लिए ठोस प्रमाण नहीं देते, तब तक उन्हें बिना रोक-टोक बोलने देना उचित नहीं माना जाता। भाजपा नेताओं का यह भी कहना है कि संसद में नियम और प्रक्रियाएं हैं, जिनका पालन सभी सदस्यों को करना चाहिए। इस पूरे विवाद में लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका भी चर्चा में रहती है। लोकसभा के स्पीकर पर विपक्ष अक्सर यह आरोप लगाता है कि वे सत्ता पक्ष के दबाव में विपक्ष को पर्याप्त समय नहीं देते। हालांकि स्पीकर का पक्ष यह रहता है कि वे केवल सदन की कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने की कोशिश करते हैं और नियमों के अनुसार ही निर्णय लेते हैं। असल प्रश्न केवल राहुल गांधी तक सीमित नहीं है। यह मुद्दा संसद में स्वस्थ बहस और संवाद की परंपरा से जुड़ा हुआ है। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों की आवाज जरूरी होती है। यदि विपक्ष को बोलने का अवसर नहीं मिलेगा तो सरकार की नीतियों की समीक्षा और आलोचना कैसे होगी? वहीं विपक्ष को भी अपनी बात जिम्मेदारी और तथ्यों के आधार पर रखनी चाहिए।लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि संसद में असहमति की आवाज को दबाया न जाए, बल्कि उसे सुना जाए और उस पर तर्कपूर्ण बहस हो। यदि संसद संवाद का मंच बनेगी तो लोकतंत्र मजबूत होगा, और यदि वहां केवल टकराव ही दिखाई देगा, तो यह लोकतांत्रिक संस्थाओं की सेहत के लिए अच्छा संकेत नहीं होगा। कानून से आगे, लोकतंत्र का संवाद मंच भारत की संसद केवल कानून बनाने की संस्था भर नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की आत्मा का प्रतीक भी है। संसद वह मंच है जहाँ सत्ता और विपक्ष के बीच संवाद, बहस और जवाबदेही की प्रक्रिया चलती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि यहाँ जनता के प्रतिनिधि देश के विभिन्न मुद्दों पर खुलकर चर्चा करते हैं और सरकार से जवाब मांगते हैं। संसद का मुख्य कार्य कानून बनाना अवश्य है, लेकिन इसकी भूमिका इससे कहीं व्यापक है। यहाँ सरकार की नीतियों की समीक्षा होती है, जनता की समस्याएँ उठाई जाती हैं और देश की दिशा तय करने वाली बहसें होती हैं। जब सत्ता पक्ष अपनी नीतियों और निर्णयों को संसद के सामने रखता है, तो विपक्ष का दायित्व होता है कि वह उन पर सवाल उठाए, उनकी आलोचना करे और आवश्यक सुधारों की मांग करे। यही प्रक्रिया लोकतंत्र को मजबूत बनाती है। विपक्ष का मजबूत और सक्रिय होना लोकतंत्र के लिए अनिवार्य है। यदि संसद में केवल सत्ता पक्ष की आवाज ही सुनाई दे और विपक्ष को अपनी बात रखने का अवसर न मिले, तो लोकतंत्र का संतुलन बिगड़ सकता है। संसद में बहस और असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी ताकत होती है। दुर्भाग्य से पिछले कुछ समय में संसद के कामकाज में व्यवधान, हंगामा और राजनीतिक टकराव अधिक देखने को मिलते हैं। इससे न केवल संसद की गरिमा प्रभावित होती है, बल्कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीर चर्चा भी बाधित होती है। जनता अपने प्रतिनिधियों से यह अपेक्षा करती है कि वे संसद को संघर्ष का नहीं, बल्कि समाधान का मंच बनाएं। आवश्यकता इस बात की है कि सत्ता और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को समझें। सरकार को विपक्ष की बात सुनने और संवाद की परंपरा को मजबूत करने का प्रयास करना चाहिए, वहीं विपक्ष को भी रचनात्मक आलोचना और सार्थक बहस के माध्यम से लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाना चाहिए। संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, बल्कि लोकतंत्र की वह प्रयोगशाला है जहाँ विचारों का मंथन होता है और देश के भविष्य की दिशा तय होती है। यदि संसद में संवाद, बहस और जवाबदेही की संस्कृति मजबूत होगी, तभी लोकतंत्र भी सशक्त और जीवंत बना रहेगा। भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी संसद है, जहां सत्ता और विपक्ष दोनों को अपनी बात रखने, बहस करने और सरकार से जवाबदेही तय करने का अधिकार होता है। संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक संवाद का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम भी है। लेकिन यदि विपक्ष को अपनी बात रखने के लिए बार-बार अविश्वास प्रस्ताव का सहारा लेना पड़े, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय बन जाता है। अविश्वास प्रस्ताव का उद्देश्य सरकार की वैधता को चुनौती देना होता है। जब विपक्ष को लगता है कि सरकार ने जनता का भरोसा खो दिया है, तब वह संसद में अविश्वास मत लाता है। लेकिन यदि विपक्ष को केवल अपनी आवाज सुनाने के लिए ही इस कठोर संसदीय हथियार का इस्तेमाल करना पड़े, तो यह संसद की सामान्य कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि सरकार को जवाबदेह बनाना और जनहित के मुद्दों को उठाना भी है। यदि संसद में विपक्ष के नेताओं को बोलने का पर्याप्त अवसर नहीं मिलता या उनकी बात को लगातार टाल दिया जाता है, तो इससे लोकतांत्रिक संवाद कमजोर होता है। संसद की गरिमा इस बात में है कि वहां असहमति को भी सम्मान के साथ सुना जाए। विपक्ष की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। उसे केवल टकराव की राजनीति से आगे बढ़कर रचनात्मक बहस और ठोस सुझाव देने चाहिए। संसद का समय नारेबाजी और हंगामे में नष्ट करने के बजाय नीति और जनहित के मुद्दों पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। इससे लोकतंत्र मजबूत होगा और जनता का भरोसा भी बना रहेगा। आज जरूरत इस बात की है कि संसद को टकराव का नहीं, बल्कि संवाद का मंच बनाया जाए। सरकार को विपक्ष की बात सुनने के लिए तैयार रहना चाहिए और विपक्ष को भी जिम्मेदार भूमिका निभानी चाहिए। लोकतंत्र तब ही सशक्त होगा जब सत्ता और विपक्ष दोनों मिलकर संसद की गरिमा और संवाद की परंपरा को बनाए रखें। यदि स्थिति ऐसी बन जाए कि अपनी बात रखने के लिए विपक्ष को बार-बार अविश्वास मत का सहारा लेना पड़े, तो यह केवल सरकार या विपक्ष की नहीं, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक तंत्र की विफलता मानी जाएगी। इसलिए आवश्यक है कि संसद में संवाद, सहमति और स्वस्थ बहस की संस्कृति को पुनः मजबूत किया जाए।

## बदलता नेपाल: बालेन शाह का उभार और भारत के लिए कूटनीतिक संदेश

नेपाल की राजनीति आज एक ऐसे चौराहे पर खड़ी है, जहाँ पुरानी पीढ़ी का सूर्यास्त और एक नई, तकनीक-प्रेमी युवा पीढ़ी का उदय साफ देखा जा सकता है। काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह यानी बालेन शाह का जिस तरह से पूरे नेपाल में प्रभाव बढ़ा है, उसने न केवल वहां के पारंपरिक राजनीतिक दलों की नींद उड़ा दी है, बल्कि दक्षिण एशिया के भू-राजनीतिक समीकरणों को भी नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया है। नेपाल की जनता, विशेषकर युवा वर्ग, अब शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और प्रचंड जैसे पुराने चेहरों के सिंडिकेट राज से ऊब चुका है। बालेन शाह की बढ़ती लोकप्रियता केवल एक व्यक्ति की जीत नहीं है, बल्कि यह नेपाल की उस व्यवस्था के खिलाफ एक जनाक्रोश है, जो दशकों से भ्रष्टाचार और अस्थिरता की शिकार रही है। इस बदलाव की पृष्ठभूमि में पिछले कुछ समय से चल रहे जन-आंदोलन और सोशल मीडिया की ताकत को नजर-अंदाज नहीं किया जा सकता। नेपाल का युवा अब रोजगार, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और पारदर्शी प्रशासन चाहता है। बालेन शाह ने मेयर के रूप में जिस तरह से काठमांडू की सड़कों, कचरा प्रबंधन और अतिक्रमण पर काम किया, उसने उन्हें एक मैजिक मैन की छवि दे दी है। वे पेशे से स्ट्रक्चरल इंजीनियर हैं और उनका गवर्नेंस मॉडल जज्बातों से ज्यादा आंकड़ों और

समाधान पर आधारित है। यही कारण है कि आज नेपाल के गांव-गांव में उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का आधार मजबूत हो रहा है। जानकारों का मानना है कि आने वाले समय में यदि वे देश की कमान संभालते हैं, तो नेपाल की आंतरिक और विदेश नीति में आमूल-चूल परिवर्तन देखने को मिलेंगे। बालेन शाह के विजन का एक बड़ा हिस्सा नेपाल को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना और खाड़ी देशों में हो रहे युवाओं के भारी पलायन को रोकना है। वे अक्सर अपनी तकरीरों में नेपाल की जल-विद्युत क्षमता और पर्यटन को भारतीय बाजार से जोड़ने की बात करते हैं, लेकिन एक समान साझेदार की शर्त पर। भारत के लिए यह एक रणनीतिक चुनौती है कि वह नेपाल की इस नई आर्थिक महत्वाकांक्षा को अपने नेबरहुड फर्स्ट विजन में कैसे फिट करता है। यदि बालेन शाह सत्ता के शीर्ष पर पहुँचते हैं, तो सीमा सुरक्षा और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भारत को एक ऐसा साथी मिल सकता है जो तकनीकी निगरानी और आधुनिक प्रबंधन में विश्वास रखता है। नेपाल का नया नेतृत्व अब केवल सहायता नहीं, बल्कि सार्थक निवेश और तकनीकी हस्तांतरण की मांग कर रहा है, जो भारत के लिए अपनी कूटनीतिक शैली बदलने का संकेत है। भारत के लिए नेपाल का यह नया नेतृत्व एक पहेली जैसा है। बालेन शाह की छवि एक प्रखर और कभी-कभी आक्रामक राष्ट्रवादी की रही है। उन्होंने मेयर रहते हुए काठमांडू में भारतीय फिल्मों पर प्रतिबंध लगाने जैसा कड़ा फैसला लिया था और अपने दफ्तर में ग्रेटर नेपाल का नक्शा लगाकर अपनी राजनीतिक लकीर खींच दी थी। उनकी नीति स्पष्ट रूप से नेपाल फर्स्ट की है, जिसका मतलब है कि वे किसी भी पड़ोसी देश के प्रभाव में दबकर काम नहीं करेंगे। ऐसे में नई दिल्ली को अब एक ऐसे नेतृत्व से संवाद करना होगा जो पुरानी कूटनीतिक मयार्दाओं के बजाय सीधे और बेबाक फैसलों में यकीन रखता है। भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वह बालेन शाह के राष्ट्रवाद को किस तरह एक रचनात्मक सहयोग में बदलता है, हालांकि, इस सिक्के का एक दूसरा और सकारात्मक पहलू भी है। बालेन शाह ने अपनी उच्च शिक्षा भारत से पूरी की है। वे भारतीय समाज की बारीकियों, यहाँ की लोकतांत्रिक व्यवस्था और दोनों देशों के बीच के रोटी-बेटी के रिश्तों की अहमियत को गहराई से समझते हैं। भारत के लिए यह एक बड़ा अवसर हो सकता है क्योंकि एक पढ़ा-लिखा और विजनरी नेतृत्व चीन के कर्ज जाल और उसकी विस्तारवादी नीतियों के खतरों को बेहतर समझता है। भारत अब नेपाल के साथ जल-विद्युत परियोजनाओं, डिजिटल कनेक्टिविटी और व्यापारिक समझौतों पर अधिक पारदर्शी और तकनीकी धरातल पर बात कर सकता है। बालेन जैसे नेता पुरानी फाइलों के बजाय डिलीवरी पर जोर देते हैं, जो भारत के निवेश के लिए एक अच्छा संकेत है। आने वाले समय में भारत-नेपाल संबंधों की दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि नई दिल्ली इस बदलाव को कितनी संजीदगी से लेती है। भारत को अब अपनी बिग ब्रदर वाली पुरानी छवि को पीछे छोड़कर नेपाल के इस नए और स्वाभिमानी नेतृत्व के साथ एक समान साझेदार की तरह पेश आना होगा। खुली सीमा के कारण होने वाली सुरक्षा चुनौतियां और सीमा विवाद जैसे संवेदनशील मुद्दों पर अब केवल आश्वासनों से काम नहीं चलेगा, बल्कि ठोस और सम्मानजनक समाधान ढूंढने होंगे। नेपाल की सड़कों पर गूंजता बालेन शाह का नाम दर-असल एक बदलते और आधुनिक नेपाल की पुकार है। भारत के पास मौका है कि वह इस नई ऊर्जा का साथी बने और हिमालयी क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि का एक नया अध्याय लिखे।

## अंतरराष्ट्रीय संदर्भ, वैश्विक व्यापार चुनौतियां और भारत की रणनीति

डॉ गीता जैन

अमेरिका में 20 जनवरी 2025 को श्री डॉनल्ड ट्रम्प ने 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। श्री ट्रम्प के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद से ही पूरी दुनिया में, विशेष रूप आर्थिक क्षेत्र में भारी उथल पुथल दिखाई दी है। ट्रम्प ने ह्लमेक अमेरिका ग्रेट अगेनह्व - अमेरिका को पुनः महान बनायें - के नारे के साथ यह राष्ट्रपति चुनाव जीता था। अतः उन्होंने अमेरिका को एक बार पुनः विश्व के विनिर्माण हब के रूप में स्थापित करने का बीड़ा उठाया है। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु उन्होंने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ लगाने का निर्णय लेते हुए, इस निर्णय को शीघ ही लागू भी कर दिया। उनका सोचना था कि उनके इस निर्णय से विभिन्न उत्पादों के निर्यातक अमेरिका में इन उत्पादों को निर्यात करने के प्रति निरुत्साहित होकर इन उत्पादों का उत्पादन अमेरिका में ही प्रारम्भ कर देंगे। इस कार्य को यदि धीमे धीमे एवं संरचित रूप से किया जाता तो सम्भव है कि पूरे विश्व में अफरा तफरी जैसा माहौल नहीं बनता। परंतु, ट्रम्प ने कुछ देशों (चीन, आदि) से विभिन्न वस्तुओं के अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 500 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी एवं अन्य देशों को भी लगातार इस प्रकार की धमकी देना प्रारम्भ कर दिया। ट्रम्प ने भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न वस्तुओं के निर्यात पर भी 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया एवं 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ यह कहते हुए लगाया कि भारत, रूस से कच्चे तेल का आयात करता है एवं इसे प्रसंस्कृत करने के उपरांत यूरोपीय देशों को पेट्रोल एवं डीजल के रूप में निर्यात करता है। इस प्रक्रिया में ट्रम्प ने यह निष्कर्ष निकाला भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल को खरीदने से रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले को बल मिलता है और भारत इस युद्ध को अप्रत्यक्ष रूप से फंडिंग कर रहा है। इस प्रकार, भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर दिनांक 27 अगस्त 2025 से 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया गया है। इससे भारत के पूंजी (शेयर) बाजार में हाहाकर मच गया एवं विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार भारत से अपने निवेश को निकाल रहे हैं। श्री ट्रम्प अमेरिका में होने वाले विभिन्न वस्तुओं के आयात पर लगाए गए टैरिफ पर ही नहीं रुके बल्कि अपनी साम्राज्यवादी सोच को पुनः लागू करने के उद्देश्य को भी स्पष्ट रूप से झलका दिया। प्रभुतासम्पन्न देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार कर अमेरिका में लाया गया एवं उन पर अमेरिका में मुकदमा चलाया गया। दरअसल, अमरीका की नजर वेनेजुएला के कच्चे तेल के अपार भंडार पर है। जिस पर अमेरिका अपना कब्जा स्थापित करते हुए इसके उपयोग पर अपना नियंत्रण स्थापित करना चाहता है। साथ ही, डेनमार्क के नियंत्रण में एक द्वीप, ग्रीनलैंड पर अमेरिका अपना आधिपत्य स्थापित करना चाहता है। इसी प्रकार की धमकियां, मेक्सिको, क्यूबा, ईरान आदि देशों को भी दी गई हैं। श्री ट्रम्प के उक्त प्रकार के निर्णयों के चलते अब तो वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के बीच आपसी सम्बंधो पर प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत भी अछूता नहीं रहा है एवं हाल ही के समय में भारत के अमेरिका के साथ सम्बन्धों में कुछ खटास आई है। अन्यथा, कुछ समय पूर्व तक भारत एवं अमेरिका एक दूसरे के रणनीतिक साझेदार माने जाते रहे हैं। विदेशी व्यापार के मामले में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा साझीदार रहा है। भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात के मामले में भी अमेरिका प्रथम स्थान पर हैं। श्री ट्रम्प द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लागू किए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के उपरांत भारत का विदेश व्यापार कुछ हद तक विपरीत रूप से प्रभावित हुआ है। परंतु, भारत ने इस समस्या का हल निकालने की रणनीति पर तुरंत विचार करना प्रारम्भ किया एवं कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए। ताकि, विशेष रूप अमेरिका को होने वाले वस्त्र एवं परिधान, जेम्स एवं ज्वेलरी, समुद्रीय पदार्थ, खिलौना उद्योग एवं चमड़ा उद्योग जैसे श्रम आधारित उद्योगों पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव को तुरंत ही रोका जा सके अथवा कम किया जा सके। अन्यथा, की स्थिति में भारत में बेरोजगारी की समस्या एक ज्वलंत समस्या के रूप खड़ी हो सकती थी। भारत ने उक्त उत्पादों के निर्यात हेतु रूस, चीन, जापान, आस्ट्रेलिया एवं यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के रूप में नए बाजार तलाशे एवं इन देशों को उक्त उत्पादों का निर्यात प्रारम्भ किया। वर्ष 2025 में भारत ने विदेशी व्यापार परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए प्रमुख वैश्विक साझेदारों के साथ मौजूदा मुक्त व्यापार समझौतों पर गहन वाताओं और रणनीतिक अद्यतनों को अंतिम रूप देने का प्रयास किया है। वर्ष के अंत में, भारत ने यूनाइटेड किंगडम, ओमान एवं न्यूजीलैंड के साथ महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए। इसके साथ ही, अफ्रीकी देशों एवं लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भी प्रारम्भिक वाताओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है। इसका परिणाम यह हुआ है कि नवम्बर एवं दिसम्बर 2025 माह में भारत से विभिन्न वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि दर को बनाए रखने में सफलता मिली है। सितम्बर एवं अक्टोबर 2025 माह में विशेष रूप से अमेरिका को भारत से होने वाले वस्तुओं के निर्यात पर कुछ विपरीत प्रभाव पड़ा था। 27 जनवरी 2026 को तो भारत ने यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देकर इतिहास ही बना डाला है। इस समझौते को ह्लमदर आफ ऑल डील्सह्व की संज्ञा दी जा रही है। यह मुक्त व्यापार समझौता 18 वर्षों के उपरांत सम्भव हो सका है। अब तो कनाडा के राष्ट्रपति भी मार्च 2026 माह में भारत आने वाले हैं एवं कुछ क्षेत्रों में मुक्त व्यापार समझौते के अंतिम रूप दिए जाने की प्रबल सम्भावना है। भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौतों का विश्व के अन्य देशों को सकारात्मक संदेश गया है। भारत वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न कर रहा है। इससे, समझौता करने वाले देशों के नागरिकों की आर्थिक स्थिति में सुधार होने की सम्भावनाएं प्रबल हो रही हैं क्योंकि इन देशों में आर्थिक प्रगति के तेज होने के चलते इन देशों में खुशहाली आने की सम्भावनाएं बन रही हैं। इस दृष्टि से विभिन्न देशों का भारत के प्रति दृष्टिकोण हाल ही के समय में बदला है एवं वे अब भारत की ओर आशाभारी नजरों से देख रहे हैं। भारत एक युवा देश है एवं विभिन्न उत्पादों के लिए भारत एक विशाल बाजार के रूप में विश्व के सामने उपलब्ध है। विशेष रूप से इस धरा के दक्षिणी भाग के देश तो अब भारत के वैश्विक स्तर पर इन देशों का नेतृत्व करने के लिए श्रद्धा के भाव से उम्मीद भारी नजरों से देख रहे हैं। उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत के सामने भी कुछ समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं। जैसे, अंतरराष्ट्रीय बाजार में डालर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत का लगातार गिरते जाना। एक अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत 92 रुपए के स्तर को भी पार कर गई है एवं वर्ष 2025 में भारतीय रुपए का लगभग 5 से 6 प्रतिशत के बीच अवमूल्यन हुआ है। दरअसल, यह समस्या, विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय पूंजी (शेयर) बाजार से लगातार अपने निवेश को निकालने के चलते खड़ी हुई है। इससे अमेरिकी डॉलर का भारत से बाहर जाने का सिलसिला बढ़ गया है। इस समस्या के हल हेतु भारत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की मात्रा को बढ़ाने का प्रयास लगातार कर रहा है। साथ ही, भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात को भी गति देने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि भारत में अमेरिकी डॉलर के आने की मात्रा में वृद्धि हो। यदि भारत को इन प्रयासों में सफलता मिलती है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए पर दबाव कुछ कम होगा।

# नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की टैरिफ दरें इस माह होंगी तय, अप्रैल से यात्री और कार्गो सेवाएं होंगी शुरू

**ग्रेटर नोएडा, एजेंसी।** नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण टैरिफ दरों को लेकर सभी हित धारकों से सुझाव लेगा। इसके लिए 23 मार्च को बैठक बुलाई गई है। प्राधिकरण ने अगस्त 2025 में अनंतिम टैरिफ दरों का निर्धारण किया था। टैरिफ दरें एक अप्रैल 2026 से पांच साल के लिए लागू होंगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को नागर विमानन महानिदेशालय ने एयरो ड्रम लाइसेंस जारी कर दिया है।

इस माह के अंत में एयरपोर्ट का उद्घाटन संभावित है। अप्रैल से नोएडा एयरपोर्ट से यात्री और कार्गो सेवाओं की शुरुआत होगी। भारतीय विमान पत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण ने पिछले साल अगस्त में एयरपोर्ट के लिए अनंतिम टैरिफ दरों का निर्धारण किया था। एयरपोर्ट के जल्द शुरू होने को देखते हुए प्राधिकरण दरों को अंतिम रूप से तय करने में जुट गया है। इसके लिए 23 मार्च को दिल्ली में सभी हित धारकों के सुझाव लेने के लिए बैठक बुलाई गई है।

एयरपोर्ट संचालक कंपनी की ओर से विमान सेवा संचालन खर्च के अनुमानित आंकड़े रखे गए थे। इसके तहत 2026 में 482.60 करोड़, 2027 में 537.70 करोड़, 2028 में 577.40 करोड़, 2029 में 605.80 करोड़ व 2030 में 651.90 करोड़ रुपये का अनुमानित खर्च बताया था। हवाई सेवाओं के अतिरिक्त अन्य मद में पांच साल के दौरान 1645.29 करोड़ खर्च का अनुमान रखा था। इसके आधार पर प्राधिकरण ने एयरपोर्ट के लिए टैरिफ दरों का अनंतिम रूप से निर्धारण किया था।

घरेलू विमान की लैंडिंग के लिए सौ मिट्रिक टन क्षमता तक 875 रुपये प्रति मिट्रिक टन व इससे अधिक पर 87500 व 1155 रुपये प्रति मिट्रिक टन शुल्क तय किया था। अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा के लिए सौ मिट्रिक टन तक एक हजार रुपये प्रति मिट्रिक टन व इससे अधिक क्षमता पर एक लाख रुपए और प्रति मिट्रिक टन 1300 रुपए शुल्क तय किया था। पार्किंग शुल्क के तहत निःशुल्क अवधि के बाद पहले दो घंटे के लिए सौ मिट्रिक टन तक 25 रुपये प्रति व सौ मिट्रिक टन से अधिक होने पर 2500 रुपये व 30 रुपये प्रति मि.टन शुल्क एवं चार घंटे के बाद सौ मि.टन तक 50 रुपए प्रति घंटा प्रति मि.टन व सौ मि.टन से अधिक क्षमता पर 5000 रुपये और 60 रुपये प्रति घंटा प्रति मि.टन का तय किया था। यूजन डेवलपमेंट शुल्क प्रति यात्री प्रस्थान करने पर घरेलू के लिए 690 रुपये व अंतरराष्ट्रीय के लिए 1380 रुपये, आगमन पर घरेलू यात्री के लिए 300 रुपये व अंतरराष्ट्रीय के लिए 595 रुपये प्रति यात्री तय किया गया। प्राधिकरण हित धारकों के सुझाव के बाद इन दरों को अंतिम रूप से तय करेगा, जो नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए लागू की जाएंगी।

## भुवनेश्वर के तारिणी मार्केट में लगी भीषण आग, 15 से अधिक दुकानें जलकर खाक; लाखों का नुकसान

**भुवनेश्वर, एजेंसी।** राजधानी भुवनेश्वर के भरतपुर इलाके में स्थित कलिंग स्टूडियो चौक के पास तारिणी मार्केट में बुधवार देर रात भीषण आग लग गई, जिससे कई दुकानों को भारी नुकसान हुआ और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग रात करीब 12 से 12:30 बजे के बीच लगी और देखते ही देखते पूरे मार्केट क्षेत्र में फैल गई। इस आगजनी में 15 से अधिक दुकानें जलकर खाक हो गईं, जिससे लाखों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक कई दुकानें पूरी तरह जल चुकी थीं। आग से प्रभावित दुकानों में एक फर्नीचर की दुकान पूरी तरह नष्ट हो गई। दुकान मालिक के अनुसार, करीब 3 लाख रुपये का तैयार फर्नीचर, जिसे डिलीवरी के लिए रखा गया था, आग में जलकर राख हो गया। बताया गया कि दुकान मालिक ने आग लगने के दौरान नकदी निकालने की कोशिश की, जिसमें उसे हल्की जलने की चोट भी आई। इस बीच एक स्थानीय निवासी ने घटना को संदिग्ध बताते हुए आशंका जताई कि आग लगना पूर्व नियोजित हो सकता है। उनका दावा है कि भुवनेश्वर नगर निगम (बीएमसी) की ओर से इलाके में फुटपाथ निर्माण को लेकर पहले दुकानदारों को कई बार चेतावनी दी गई थी।

## हिमाचल चुनाव आयोग का निर्देश : 31 मार्च तक लागू करें आरक्षण रोस्टर, नई पंचायतों की दें रिपोर्ट

**शिमला, एजेंसी।** राज्य निर्वाचन आयुक्त अनिल खाची ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि 31 मार्च तक आरक्षण रोस्टर लागू करने की प्रक्रिया को पूरा किया जाए। मंगलवार को निर्वाचन आयुक्त ने शहरी विकास, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने नई पंचायतों के गठन के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। खाची ने कहा कि नई पंचायतों के गठन की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी संबंधित सरकारी विभाग न्यायालय के आदेशों के अनुसार निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य सुनिश्चित करें, जिससे आगामी चुनाव प्रक्रिया बिना किसी बाधा के संपन्न हो सके। बैठक में 21 नए नगर निकायों के चुनावों पर भी चर्चा हुई, हालांकि इस पर अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। अधिकारियों ने आवश्यक प्रक्रिया और तैयारियों की जानकारी राज्य चुनाव आयुक्त को दी।

## नोएडा सुपरटेक गोल्फ कंट्री : सालों बाद घर मिलने की उम्मीद जगी, खरीदारों को राहत

**रबूपुरा, एजेंसी।** इलाके की सुपरटेक गोल्फ कंट्री सोसायटी में घर खरीदने वालों को सालों बाद आखिरकार अपने घर मिलने की उम्मीद जगी है। होम बायर्स एसोसिएशन के सेक्रेटरी राजीव गौतम ने बताया कि 2013 में बिल्डर को पूरा पैसा देने के बावजूद, ज्यादातर खरीदारों को अभी तक अपने घर नहीं मिले हैं। खरीदार सालों से पज़ेशन की मांग कर रहे हैं। प्रोजेक्ट में बिजली, पानी और सड़क जैसी बेसिक सुविधाएं भी नहीं हैं। खरीदारों की चिंताओं को देखते हुए मामला ह्ष्टस्ल्ञ को भेजा गया। समाधान के तहत, ष्टश्वष्ट में खरीदारों और बैंकर्स के बीच बृजगोपाल बिल्डर्स और इंडस वैली में से किसी एक को चुनने के लिए वोटिंग हुई। 4 से 8 मार्च के बीच हुई वोटिंग में बैंकर्स शामिल नहीं हुए। अब किन खरीदारों को उनके घर मिलेंगे, यह बैंकर्स की वोटिंग पर निर्भर करता है। सेक्रेटरी ने उम्मीद जताई कि बैंकर्स घर खरीदारों के हितों को ध्यान में रखते हुए बिल्डर चुनेंगे। अगर ऐसा होता है, तो खरीदारों को अपना घर मिलने का रास्ता खुल जाएगा और NCLT से मंजूरी मिलने के तीन साल के अंदर सभी खरीदारों को अपना घर मिल सकता है।

## वाराणसी होकर हर रविवार को बड़ोदरा तक जाएगी स्पेशल ट्रेन, होली के बाद बढ़ती भीड़ के चलते की गई व्यवस्था

**वाराणसी, एजेंसी।** होली के बाद काम पर लौटने वालों की भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा विशेष ट्रेन चलाई जा रही है। इसमें मऊ से बड़ोदरा के लिए चलने वाली विशेष ट्रेन हर रविवार को वाराणसी रेलवे स्टेशन होकर गुजरेगी। यह ट्रेन बड़ोदरा से 14, 21 और 28 मार्च को तथा मऊ से 15, 22 और 29 मार्च को चलाई जाएगी। होली विशेष ट्रेन का ठहराव आगरा फोर्ट के स्थान पर ईदगाह (आगरा) में होगा। ट्रेन नंबर 09195 वडोदरा-मऊ साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 14, 21 और 28 मार्च को हर शनिवार बड़ोदरा से शाम 7 बजे चलकर गोधरा, रतलाम पहुंचेगी। यहां से दूसरे दिन सुबह 2:45 बजे कोटा, बयाना, ईदगाह (आगरा), कानपुर सेंट्रल से 11:42 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) में 1:20 बजे होते हुए वाराणसी रेलवे स्टेशन पर शाम 7:05 बजे आएगी। यहां से छूटकर मऊ रेलवे स्टेशन पर रात 8:45 बजे पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 09196 मऊ-वडोदरा साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 15, 22 और 29 मार्च को मऊ से रात 11:15 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन वाराणसी जंक्शन रात 1:10 बजे आएगी। यहां से विभिन्न स्टेशनों को होते हुए तीसरे दिन वडोदरा रात 12:45 बजे पहुंचेगी। औड़िहारङ्कसारनाथ ट्रेन का संचालन 12 मार्च से 15 मई तक यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन नंबर 05163/05164 औड़िहारङ्कसारनाथङ्कऔड़िहार डेमू विशेष ट्रेन का संचालन 12 मार्च से 15 मई तक किया गया है। ट्रेन नंबर 05163 औड़िहारङ्कसारनाथ डेमू विशेष ट्रेन औड़िहार से दोपहर 12:35 बजे चलकर सिधौंना रामपुर हाल्ट से 12:43 बजे, रजवाड़ी से 12:53 बजे, कादीपुर से दोपहर 1:04 बजे छूटकर सारनाथ 1:20 बजे पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन सारनाथ से 1:50 बजे प्रस्थान कर विभिन्न स्टेशनों से होते हुए औड़िहार स्टेशन पर दोपहर 2:35 बजे पहुंचेगी।

## गाजियाबाद में खुलेगा प्रदेश का पहला एआई अल्ट्रासाउंड केंद्र, गर्भवती महिलाओं को मिलेगा लाभ

**गाजियाबाद, एजेंसी।** प्रदेश का पहला एआई आधारित अल्ट्रासाउंड केंद्र गाजियाबाद में खुलेगा। अत्याधुनिक मेडिकल संसाधनों से युक्त यह सेंटर जिला महिला अस्पताल में चालू होगा। इस केंद्र के माध्यम से प्रसव को आने वाली गर्भवती महिलाओं में प्रसव के दौरान संबंधित जटिलताओं की पहचान तथा उपयुक्त चिकित्सकीय निर्णय (सामान्य प्रसव, सिजेरियन,रेफर) लेने के लिए निःशुल्क एआई (आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस) आधारित हब एंड स्पोक केंद्र के रूप में रेडियोलॉजी सेवाएं उपलब्ध कराई जायेंगी। खासकर गर्भ में पल रहे बच्चे की सहीं स्थिति का पता लगाने को अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया जायेगा। जिला स्वास्थ्य समिति ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

इस केंद्र को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर चालू किया जायेगा। सफल होने पर पूरे प्रदेश में केंद्र खोलने की योजना है। इस केंद्र को खोलने का उद्देश्य मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर कम करना है।

रेडियोलॉजिस्ट एवं जिला महिला अस्पताल के कार्यवाहक सीएमएस डॉ. अभिषेक त्रिपाठी का कहना है कि सीएमओ और सीडीओ की पहल पर खुलने जा रहे एआई आधारित यह सेंटर का गर्भवती महिलाओं की सेहत के लिये लाभकारी होगा।

वर्तमान में रोज 60 से 70 गर्भवती महिलाओं का अल्ट्रासाउंड किया जाता है। जिले के 85 प्राइवेट अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर ई-रूपी योजना के तहत गर्भवती का निश्शुल्क अल्ट्रासाउंड करने की योजना भी संचालित की जा रही है।

जिला महिला अस्पताल में एआई आधारित अल्ट्रासाउंड केंद्र खोलने की योजना है। जिला स्वास्थ्य समिति ने इस योजना को हरी झंड़ी दे दी है। अगले 15 दिन में इस केंद्र को स्थापित करने के क्रम में आवश्यक मेडिकल उपकरण लगाने को संबंधित को निर्देशित कर दिया गया है।

चालू होने के बाद इस पायल प्रोजेक्ट को तीन महीने तक चिकित्सकों की निगरानी में संचालित किया जायेगा। समीक्षा करने पर इसके परिणाम बेहतर आने पर शासन को इसकी रिपोर्ट इस उद्देश्य के साथ भेजी जायेगी कि ऐसे केंद्र अन्य जिलों में भी खोले जा सकते हैं। ऐसे केंद्रों के खुलने से मातृ मृत्यु और शिशु मृत्यु दर को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

## 'विपक्ष के नेताओं को डराने-धमकाने की कोशिश' : वड़िंग ने खैहरा के साथ दिखाई एकजुटता

### सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

**चंडीगढ़, एजेंसी।** पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि आम आदमी पार्टी साजिश के तहत भूलत्थ से विधायक और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुखपाल सिंह खैहरा को धमकाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यह सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर के डर और हताशा को दर्शाता है, जो अपनी लगातार नाकामियों के कारण अब विपक्ष के नेताओं को डराने-धमकाने की कोशिश कर रही है। वड़िंग ने कहा कि आम आदमी पार्टी को यह एहसास हो गया है कि पंजाब के लोग अब उसके झूठों को गंभीरता से नहीं लेते हैं। इसी कारण वह अब विपक्षी नेताओं और उन पत्रकारों को भी डराने-धमकाने की कोशिश कर रही है, जो सरकार की नाकामियों को उजागर कर रहे हैं। उन्होंने खैहरा के साथ पूरी तरह से एकजुटता जताते हुए और सरकार की नाकामियों को उजागर करने के लिए उनके द्वारा चलाए जा रहे अभियान का समर्थन करते हुए, कहा कि हर कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता खैहरा के साथ खड़ा है और हमेशा खड़ा रहेगा।

## यीडा में अप्रैल से जून तक कई औद्योगिक इकाइयां होंगी शुरू, हजारों को मिलेगा रोजगार

**नोएडा, एजेंसी।** अगले तीन महीनों में यीडा एरिया में कई इंडस्ट्रियल यूनिट्स का शिलान्यास होगा। अथॉरिटी ने इसके लिए अपनी कोशिशें तेज कर दी हैं। जमीन अलॉटमेंट और ज़मीन खरीदने का काम तेज़ी से पूरा किया जा रहा है, ताकि प्लॉट्स के लिए जारी लेटर्स ऑफ इंटेंट के हिसाब से यूनिट्स को कब्जा दिया जा सके। यमुना अथॉरिटी ने इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट में तेजी लाई है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और रोड कनेक्टिविटी के पास होने की वजह से, कई नामी कंपनियों ने अपनी यूनिट्स के लिए यीडा में जमीन अलॉटमेंट और कब्जा हासिल कर लिया है।

अथॉरिटी ने कुछ कंपनियों को ज़मीन अलॉट करके कब्जा भी दे दिया है। जिन कंपनियों को लेटर्स ऑफ इंटेंट जारी हो चुके हैं, उन्हें जमीन अलॉट करने का प्रोसेस भी तेजी से पूरा किया जा रहा है। यीडा के सीईओ राकेश कुमार सिंह ने बताया कि अप्रैल से जून के बीच कई कंपनियां यीडा एरिया में यूनिट्स का कंस्ट्रक्शन शुरू करेंगी।

इसमें इंडस्ट्रियल यूनिट्स के साथ-साथ इंटरनेशनल फिल्म सिटी भी शामिल है। इन यूनिट्स के कंस्ट्रक्शन से एरिया में इकोनॉमिक और रेजिडेंशियल एक्टिविटी में तेज़ी आएगी, जिससे हजारों लोगों के लिए रोजगार के मौके बनेंगे।

अधिकारियों के मुताबिक, तीन महीने में पूरे होने वाले प्रोजेक्ट्स में एस्कॉर्ट्स कुबोटा, न्यू हॉलैंड ट्रैक्टर और फोर्ड का जॉइंट वेंचर, आरपी गोयनका की सोलर पैनल फैक्ट्री, स्ह्ढरु की सोलर पैनल यूनिट, हैवेल्स इंडिया लिमिटेड, मिंडा, एम्बर, एसेंट औरर एम ग्रीन शामिल हैं। ग्रीन इलाके में पहली ्ढ्ढ सिटी बनाएगी। ष्टह्व॥ का यीडा इलाके में एक ट्रैक्टर और एग्रीकल्चरल इक्विपमेंट प्लांट, एस्कॉर्ट्स कुबोटा का ट्रैक्टर प्लांट और हैवेल्स इंडिया की इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट भी है। इसके अलावा, बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी प्राइवेट लिमिटेड भी एक फिल्म सिटी का कंस्ट्रक्शन शुरू करने वाली है।

कंपनी के पहले फेज के प्लान को पिछले साल जून में मंजूरी मिली थी। कंपनी को कंस्ट्रक्शन पर हर साल ?50 करोड़ खर्च करने हैं। फिल्म सिटी तीन साल में पूरी होनी है। इन कंपनियों की यूनिट्स के उद्घाटन की उम्मीद में, इंडस्ट्रियल सेक्टर में इंटरनल इंफ्रास्ट्रक्चर कंस्ट्रक्शन भी तेजी से पूरा किया जा रहा है।

## ओडिशा में गुटखा बैन पर लगी रोक, हाईकोर्ट ने लगाई अंतरिम स्टे

**भुवनेश्वर, एजेंसी।** एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में उड़ीसा हाईकोर्ट ने बुधवार को ओडिशा सरकार द्वारा जारी उस अधिसूचना पर अंतरिम रोक लगा दी, जिसमें राज्य में गुटखा चबाने पर प्रतिबंध और जर्दा तंबाकू की बिक्री पर नियंत्रण लगाया गया था।

यह रोक उन याचिकाओं पर सुनवाई के बाद लगाई गई, जिनमें ओडिशा सरकार के गुटखा बिक्री पर रोक और जर्दा तंबाकू के नियमन के फैसले को चुनौती दी गई थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने ओडिशा सरकार को नोटिस जारी करते हुए इस मामले में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

राज्य सरकार से पूछा गया है कि तंबाकू उत्पादों पर रोक लगाने वाली अधिसूचना किस आधार और कानूनी प्रावधान के तहत जारी की गई। 16 जनवरी 2026 की सरकारी अधिसूचना, जिसमें 'चबाने वाला तंबाकू' पर रोक लगा दी गई थी, को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। इस मामले में याचिकाकर्ता कंपनी गोपाल एरोमेटिक्स है। वकील प्रशांत नायक ने बताया कि अधिसूचना असंवैधानिक है और यह नियमों व कानूनों के खिलाफ है। यह तीन अलग-अलग अधिनियमों का उल्लंघन करती है और कोई भी अधिसूचना किसी वैधानिक प्रावधान को निरस्त नहीं कर सकती, इसी आधार पर इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि हाईकोर्ट के इस अंतरिम आदेश से जर्दा तंबाकू और इससे जुड़े अन्य उत्पादों का कारोबार करने वाले व्यापारियों को फिलहाल राहत मिली है। अचानक लगाए गए प्रतिबंध को लेकर व्यापारियों ने चिंता जताई थी। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 10 अप्रैल को तय की है, जब राज्य सरकार का जवाब दाखिल होने के बाद इस पर फिर सुनवाई होगी।

## पंजाब विधानसभा में गूंजा एलपीजी और पेट्रोल-डीजल की कमी का मुद्दा, आप सरकार लाई केंद्र के खिलाफ निंदा प्रस्ताव

**चंडीगढ़, एजेंसी।** पंजाब विधानसभा में आज ईरान-अमेरिका और इजराइल युद्ध को लेकर पेट्रोल-डीजल व एलपीजी गैस की कमी को लेकर खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री लाल चंद कटरूचक्क केंद्र सरकार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लेकर आए। दो दिन में विधानसभा में केंद्र सरकार के खिलाफ लाया गया यह दूसरा निंदा प्रस्ताव है। बीते मंगलवार को पंजाब विधान सभा में अमेरिका के साथ भारत के हुए ट्रेड समझौते के खिलाफ निंदा प्रस्ताव सर्व सम्मति से पास हुआ था।

निंदा प्रस्ताव पेश करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार की गलत विदेश नीति के कारण यह यह स्थिति उत्पन्न हुई है। उन्होंने कहा कि पंजाब में गेहूं की खरीद का सीजन शुरू होने वाला है। पेट्रोल डीजल की कमी का असर उस पर भी पड़ सकता है।

पंजाब के गोदाम भरे हुए है। ढुलाई नहीं हो पा रही है। नई फसल रखने में दिक्कत आएगी। वहीं, कैबिनेट मंत्री हरजोत बैंस ने कहा कि गैस की कमी के कारण नंगल और बठिंडा में सीएफएल के प्लांट बंद हो गए, जिससे यूरिया की कमी हो जाएगी। मंत्री ने केंद्र सरकार पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा कि पानीपत यूनिट को पूरी गैस सप्लाई दी जा रही है लेकिन पंजाब के यूनिट को नहीं। मंत्री ने कहा कि घरेलू एलपीजी सिलेंडर महंगे कर दिए गए हैं।

कॉमर्शियल सप्लाई रोक दी गई है। मेट्रो सिटी में पेट्रोल पंपों पर लंबी-लंबी लाइने लग रही हैं। कहा तो यह गया था कि कोई दिक्कत नहीं आएगी। बैंस ने कहा कि केंद्र सरकार की विदेश नीति विफल हो चुकी है। अगर एलपीजी और एलएजी का संकट होता हैं तो लोगों से लेकर किसानों तक इसका फर्क पड़ेगा।

वहीं, खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री लाल चंद कटारूचक द्वारा लाए गए प्रस्ताव से वित्तमंत्री हरपाल चीमा अनभिज्ञ दिखे। चीमा ने कहा कि यह गंभीर मुद्दा है। देश की विदेश नीति पूरी तरह से विफल रही है। केंद्र सरकार न तो देश के हितों की रक्षा कर रही है और न ही लोगों के हितों की रक्षा कर रही है।

चीमा ने कहा कि देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चला रहे हैं या डोनाल्ड ट्रंप। क्योंकि जब भारत पाकिस्तान युद्ध हो रहा था तब युद्ध रुकने की जानकारी भी ट्रंप ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट डालकर दी थी। अतः इस पर लंबी चर्चा होनी चाहिए। वित्तमंत्री ने स्पीकर से इस मुद्दे पर वीरवार को बहस रखने की मांग की, जिसे स्पीकर ने स्वीकार कर लिया। यह गुरुवार को यह निंदा प्रस्ताव पास होता हैं तो यह संभवतः पहला मौका होगा कि तीन दिन के भीतर केंद्र सरकार के खिलाफ दो निंदा प्रस्ताव पास होंगे।

## राप्तीनगर टाउनशिप योजना के 84 भूखंडों की हुई ई-लॉटरी

**गोरखपुर,एजेंसी।** गोरखपुर विकास प्राधिकरण की ओर से संचालित राप्तीनगर टाउनशिप एवं स्पोर्ट्स सिटी योजना के अंतर्गत विभिन्न श्रेणी के आवासीय और व्यावसायिक भूखंडों के आवंटन के लिए ई-लॉटरी बुधवार को प्राधिकरण सभागार में हुई। ई-लॉटरी 25 जनवरी से 24 फरवरी तक खुले ऑनलाइन पंजीकरण के बाद की गई। लॉटरी के माध्यम से ईडब्ल्यूएस, एचआईजी और सुपर एचआईजी श्रेणियों के कुल 84 भूखंडों का आवंटन किया गया। इनमें ईडब्ल्यूएस श्रेणी के 42 भूखंड शामिल हैं, जिनका अनुमानित मूल्य लगभग पांच करोड़ 46 लाख 92 हजार 400 रुपये है। वहीं, एचआईजी श्रेणी के 36 भूखंडों का अनुमानित मूल्य लगभग 33 करोड़ 50 लाख 39 हजार 70 रुपये निर्धारित किया गया है। इसके अलावा सुपर एचआईजी श्रेणी के छह भूखंडों का आवंटन किया गया, जिनका अनुमानित मूल्य लगभग नौ करोड़ 88 लाख 16 हजार 592 रुपये है।

## भारत को पहली जीत दिलाने वाले कप्तान

# ...जिनके नाम पर विजय हजारे ट्रॉफी

**नई दिल्ली ।** विजय सैमुअल हजारे की गिनती भारत के महान बल्लेबाजों में होती है। उन्होंने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया और भारतीय क्रिकेट के शुरुआती दौर में टीम को मजबूती दी। उनके सम्मान में भारत के घरेलू वनडे टूर्नामेंट का नाम रखा गया है। विजय हजारे का जन्म 11 मार्च 1915 को महाराष्ट्र के सांगली में हुआ था। ग्रामीण इलाके में विजय हजारे को ऑस्ट्रेलिया के महान स्पिन गेंदबाज क्लैरी ग्रिमेट ने कोचिंग दी थी। 1934/35 में फर्स्ट क्लास

करियर की शुरुआत करने वाले विजय हजार ने साल 1946 में इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी। 31 साल की उम्र में भारत की ओर से पहला मैच खेलते हुए विजय हजारे ने 31 रन और 34 रन की पारियां खेली थीं।

विजय हजारे भारत की ओर से 1,000 रन का आंकड़ा छूने वाले पहले खिलाड़ी थे। वह टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक (116 और 145 रन) लगाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी भी हैं। यह कारनामा उन्होंने जनवरी 1948 में एडिलेड के मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध किया था। वह प्रथम श्रेणी में तिहरा शतक लगाने वाले पहले भारतीय भी हैं, जिन्होंने यह कारनामा जनवरी 1940 में महाराष्ट्र की तरफ से खेलते हुए बड़ौदा के खिलाफ किया था।

प्रथम श्रेणी में 50 शतक लगाने वाले पहले भारतीय विजय हजार ने भारत की तरफ से 30 टेस्ट मैच खेले। इस दौरान 52 पारियों में 47.65 की औसत के साथ 2,192 रन बनाए, जिसमें 7 शतक और 9 अर्धशतक शामिल रहे। उनकी कप्तानी में ही आजाद भारत ने पहली टेस्ट जीत हासिल की थी। यह मैच साल 1952 में खेला गया, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने पारी और 8 रन से मुकाबला अपने नाम किया था।

# दिल्ली एयरपोर्ट पर हुआ हेड कोच गौतम गंभीर का जोरदार स्वागत

**नई दिल्ली।** भारतीय टीम ने रविवार को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के खिताब को अपने नाम किया। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराया। भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत के बाद दिल्ली एयरपोर्ट पर हेड कोच गौतम गंभीर का जोरदार स्वागत हुआ। गौतम गंभीर के स्वागत के लिए एयरपोर्ट पर फैंस का हुजूम उमड़ा। गंभीर का माला पहनाकर स्वागत किया गया। गंभीर अपनी पत्नी और दोनों बेटियों के साथ एयरपोर्ट पर नजर आए। कड़ी सुरक्षा के बीच गंभीर को उनकी गाड़ी तक पहुंचाया गया, जहां से वह अपने घर के लिए रवाना हो गया। गौतम गंभीर के हेड कोच बनने के बाद टीम इंडिया ने यह दूसरी आईसीसी ट्रॉफी जीती है। इससे पहले साल 2025 में भारतीय टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया था। फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट गंवाकर 255 रन बनाए। टीम की ओर से संजू सैमसन ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों में 89 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान 5 चौके और 8 छक्के लगाए। वहीं, अभिषेक शर्मा ने 21 गेंदों में 52 रनों की तेज तर्रार पारी खेली। ईशान किशन ने 25 गेंदों में 54 रनों की दमदार पारी खेली। अंतिम ओवरों में शिवम दुबे ने महज 8 गेंदों में 26 रन बनाए, जिसके दम पर भारतीय टीम टी20 विश्व कप के नॉकआउट मुकाबले का सबसे बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही।

256 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की पूरी टीम 19 ओवर में 159 रन बनाकर ढेर हो गई। कीवी टीम की तरफ से टिम सीफर्ट ने सर्वाधिक 52 रन बनाए, जबकि मिचेल सैंटनर ने 43 रनों का योगदान दिया। गेंदबाजी में भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 15 रन देकर 4 बड़े विकेट निकाले। भारत घरेलू सरजमीं पर टी20 विश्व कप के खिताब को जीतने वाला पहला देश बना। इसके साथ ही सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप को जीतने वाली दुनिया की पहली टीम बनी।

## क्रिकेटर अभिषेक शर्मा

# शून्य के संघर्ष से विश्व कप फाइनल के तूफानी अर्धशतक तक का सफर

**चंडीगढ़।** जब टी20 विश्व कप के शुरुआती मैचों में अभिषेक लगातार तीन बार शून्य पर आउट हुए, तो चारों तरफ उनकी तकनीक पर सवाल उठने लगे थे। लेकिन ठीक फाइनल से पहले, अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मिली एक 'जादुई सीख' ने पूरा खेल बदल दिया। पिता की वो सीख : 'घबराना नहीं, तुम नंबर-1 हो' अभिषेक के पिता और कोच राज कुमार शर्मा ने सेमीफाइनल की विफलता के बाद अपने बेटे पर दबाव बनाने के बजाय उसे उसकी असली ताकत याद दिलाई।

'मैंने उससे बस इतना कहा– हर खिलाड़ी के करियर में उतार-चढ़ाव आते हैं। तुम दुनिया के नंबर-1 टी20 बल्लेबाज हो, अपनी काबिलियत पर भरोसा रखो। '

### फाइनल में 'सिक्सर किंग' का अवतार

फाइनल के दबाव भरे मैच में अभिषेक ने वही किया जिसके लिए वे जाने जाते हैं:

- **सबसे तेज अर्धशतक:** सिर्फ 21 गेंदों में टी20 विश्व कप नॉकआउट का सबसे तेज पचासा जड़ दिया।
- **तेज गेंदबाजों पर प्रहार:** उनके 50 रनों में से 48 रन तेज गेंदबाजों के खिलाफ आए।
- **स्वाभाविक खेल:** स्पिन के खिलाफ चुनौतियों के बावजूद, उन्होंने निडर होकर अपना नेचुरल गेम खेला।
- सफलता के पीछे का 'त्रिकोण' (युवराज, गंभीर और दिग्गज)अभिषेक की इस सफलता में तीन प्रमुख स्तंभों का बड़ा योगदान रहा है:
- **युवराज सिंह का साथ:** 'सिक्सर किंग' युवराज सिंह ने कठिन दौर में लगभग रोज फोन कर अभिषेक की तकनीक और रणनीति पर चर्चा की।
- **गौतम गंभीर का भरोसा:** टीम के हेड कोच गंभीर ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत रहने और निडर होकर खेलने का हौसला दिया।
- **दिग्गजों का अध्ययन:** बचपन से ही अभिषेक ने सचिन तेंदुलकर, रोहित शर्मा और युवराज सिंह की बल्लेबाजी का घंटों अध्ययन कर अपनी तकनीक को निखारा है।
- **जश्न का तरीका:** अमृतसर की गलियों से स्वर्ण मंदिर तक अभिषेक के पिता ने बताया कि जब यह चैंपियन खिलाड़ी अमृतसर लौटेगा, तो जश्न की शुरुआत शोर-शराबे से नहीं बल्कि आस्था से होगी: सबसे पहले स्वर्ण मंदिर (हरमंदिर साहिब) में मत्था टेकेंगे। इसके बाद गुरुद्वारा बाबा दीप सिंह शहीद और अन्य पवित्र स्थलों पर जाकर शुक्रिया अदा करेंगे।

# आईसीसी टी20 रैंकिंग: अभिषेक शर्मा शीर्ष पर बरकरार

## ईशान किशन और संजू सैमसन ने लगाई लंबी छलांग

**नई दिल्ली।** आईसीसी ने टी20 बल्लेबाजों की नई रैंकिंग जारी कर दी है। बाएं हाथ के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अपना पहला स्थान बरकरार रखने में कामयाब रहे हैं। ईशान किशन ने अपने करियर की बेस्ट रैंकिंग हासिल की है। आईसीसी द्वारा बुधवार को जारी ताजा रैंकिंग में अभिषेक शर्मा पहले स्थान पर बरकरार हैं। टी20 विश्व कप 2026 में खराब फॉर्म से गुजरे अभिषेक ने फाइनल में 21 गेंद पर 52 रन की पारी खेली थी। इसी पारी की बदौलत वह अपना शीर्ष स्थान बचाए रखने में कामयाब रहे हैं। टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 मैचों की 9 पारियों में 317 रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को 2 स्थान का फायदा हुआ है। वह दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। यह उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ टी20 रैंकिंग है। ईशान ने भी विश्व कप फाइनल में 25 गेंदों पर 54 रन की पारी खेली थी।

पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को एक स्थान का नुकसान हुआ है। वह तीसरे स्थान पर चले गए हैं। इंग्लैंड के फिल साल्ट एक स्थान के नुकसान के साथ चौथे स्थान पर चले गए हैं। श्रीलंका के पाथुम निसांका पांचवें स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज टिम साइफर्ट को 4 स्थान का फायदा हुआ है। वह छठे स्थान पर हैं। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा 1 स्थान के नुकसान के साथ सातवें और डेवाल्ड ब्रेविस आठवें स्थान पर हैं। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव का विश्व कप बल्ले से अच्छा नहीं रहा था। उन्हें 2 स्थान का नुकसान हुआ है। वह नौवें स्थान पर हैं, जबकि जोस बटलर एक स्थान के नुकसान के साथ दसवें स्थान पर हैं। बटलर का टी20 विश्व कप भी बेहद निराशाजनक रहा था। इसके अलावा, इंग्लैंड के लिए भारत के खिलाफ सेमीफाइनल में शतक लगाने वाले युवा बल्लेबाज जैकब बेथल को 17 स्थान का फायदा हुआ है। वह 16वें स्थान पर पहुंच गए हैं। फिन एलन 7 स्थान की छलांग लगाते हुए 20वें और भारत के विश्व कप हीरो संजू सैमसन 18 स्थान की छलांग लगाते हुए 22वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

## मिडिल ईस्ट संकट के कारण

# अफगानिस्तान-श्रीलंका सीरीज स्थगित: एसीबी

**काबुल, ।** अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को बताया कि अफगानिस्तान और श्रीलंका के बीच 13 मार्च से यूएई में शुरू होने वाली द्विपक्षीय सीरीज स्थगित कर दी गई है। सीरीज मिडिल ईस्ट के मौजूदा हालात के कारण फ्लाइट पर लगी रोक और अन्य लॉजिस्टिक समस्याओं की वजह से स्थगित की गई है। सीरीज अब 2026 के अंत में खेली जा सकती है। इस सीरीज के तहत अफगानिस्तान पहली बार श्रीलंका की मेजबानी करने वाला था। 13, 15 और 17 मार्च को शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में तीन टी20 मैच खेले जाने थे। इसके बाद 20, 22 और 25 मार्च को तीन वनडे मैच दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना था। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अपने बयान में कहा, 'एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से मंजूरी मिलने के बाद, दोनों जगहों पर मैच आयोजित करने की तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। मार्च की शुरुआत में, अचानक हुई घटनाओं की वजह से लॉजिस्टिक दिक्कतें पैदा हो गईं, जिससे सीरीज के लिए यात्रा प्रबंधन और अन्य योजनाओं पर असर पड़ा। '

बोर्ड ने कहा, 'हालात को संभालने के लिए, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड, शारजाह क्रिकेट स्टेडियम और दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम समेत मुख्य स्टेकहोल्डर्स के साथ कई बार बातचीत की। 4 मार्च को एक संयुक्त बैठक हुई, जिसमें हालात पर नजर रखने और 6 मार्च तक फिर से जांच करने की सलाह दी गई। 7 मार्च को हुई अगली मीटिंग में आखिरी फैसला लेने से पहले 9 मार्च तक इंतजार करने की सलाह दी गई। '

एसीबी ने यह भी कहा कि उन्होंने इस पूरे प्रकिया की श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को जानकारी दी थी। सीरीज को स्थगित करने का फैसला श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड की सहमति से लिया गया। सीरीज के लिए नई तारीखों की घोषणा जल्द की जाएगी।

बोर्ड ने कहा, 'एसीबी जल्द से जल्द सही मौके पर सीरीज कराने और श्रीलंका क्रिकेट के साथ अपने मजबूत क्रिकेट रिश्ते को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। '

# आज शुरुआती 20 दिनों का आईपीएल शेड्यूल जारी करेगा बीसीसीआई

**नई दिल्ली। भारतीय** क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) 12 मार्च तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के शुरुआती 20 दिनों का शेड्यूल जारी करेगा। यह जानकारी बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने दी है। आईपीएल का 19वां सीजन 28 मार्च से 31 मई के बीच खेला जाना है। देवजीत सैकिया ने मंगलवार को आईएएनएस से कहा, 'हम 12 मार्च तक आईपीएल 2026 का शेड्यूल जारी करने की योजना बना रहे हैं। फिलहाल, हम आईपीएल के पहले 20 दिनों का शेड्यूल जारी करने जा रहे हैं।' ऐसा समझा जा रहा है कि बीसीसीआई पश्चिम बंगाल, असम और तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनावों के साथ किसी भी तरह के टकराव की स्थिति से बचना चाहता है। ऐसे में टूर्नामेंट के शेष मुकाबलों का शेड्यूल बाद में जारी किया जाएगा। इसके बावजूद, टीमों ने अपने प्री-सीजन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर

किंग्स ने 1 मार्च को नवलूर स्थित अपने हाई-परफॉर्मेंस सेंटर में अभ्यास शुरू कर दिया है। वहीं, मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 10 फरवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में एक छोटा-सा तैयारी शिविर आयोजित किया था, जबकि 2022 की चैंपियन गुजरात टाइटंस ने नाथद्वारा के मिराज इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दो बार अभ्यास सत्र आयोजित किए थे। पंजाब किंग्स ने फरवरी की शुरुआत में अबू धाबी में अभ्यास किया था। फिलहाल टीम के खिलाड़ी धर्मशाला में अभ्यास शिविर में हिस्सा ले रहे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद ने 1 मार्च को अपने घरेलू खिलाड़ियों के साथ अपना शिविर शुरू किया था। पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस भी आगामी सीजन के लिए अपना अभ्यास शुरू कर चुकी है।

कोलकाता नाइट राइडर्स 18 मार्च को अपना प्री-सीजन शिविर शुरू करेगी, जबकि राजस्थान रॉयल्स के 15 मार्च से जयपुर में एक अभ्यास शिविर के लिए इकट्ठा होने की उम्मीद है। दिल्ली कैपिटल्स ने हाल ही में हैदराबाद में एक शिविर आयोजित किया था। अब इस टीम के दिल्ली में भी एक शिविर आयोजित करने की उम्मीद है। इस बीच लखनऊ सुपर जायंट्स ने लखनऊ में एक तैयारी सत्र आयोजित किया था।

## टी20 वर्ल्ड कप- आईसीसी ने घोषित की प्राइज मनी

# भारत को मिलेंगे 2.63 मिलियन डॉलर, सभी टीमें मालामाल

**दुबई, ।** इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए फाइनल प्राइज मनी घोषित कर दी है। न्यूजीलैंड को खिताबी मैच में 96 रन से मात देने के बाद भारत को 26,39,423 अमेरिकी डॉलर बतौर प्राइज मनी मिलेंगे। रनर-अप न्यूजीलैंड को 14,22,692 डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। इस बार की प्राइज मनी साल 2024 में घोषित आईसीसी टूर्नामेंट प्राइज मनी में इजाफे का दिखाती है। सेमीफाइनल गंवाने वाली साउथ अफ्रीकी टीम को 10,05,577 डॉलर, जबकि इंग्लैंड की टीम को 9,74,423 डॉलर प्राइज मनी के तौर पर मिलेंगे। चार टीमें, वेस्टइंडीज, पाकिस्तान, जिम्बाब्वे, श्रीलंका, जो सुपर 8 में पहुंचीं लेकिन नॉकआउट में आगे नहीं बढ़ पाईं, उन्हें क्रमशः 5,38,269 डॉलर, 5,22,692 डॉलर, 4,91,538 डॉलर और 4,75,962 डॉलर मिलेंगे।

इस बीच, जो टीमें सुपर 8 स्टेज तक पहुंचीं लेकिन आगे नहीं बढ़ पाईं, जिनमें अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और यूएसए शामिल हैं, उनमें से प्रत्येक टीम को 3,09,808 डॉलर दिए जाएंगे।

शेष प्रतिभागियों में स्कॉटलैंड को 2,78,654 डॉलर और आयरलैंड को 2,71,731 डॉलर मिलेंगे। इस बीच, इटली, नीदरलैंड्स, यूनाइटेड अरब अमीरात और नेपाल को 2,56,154 डॉलर देने की घोषणा की गई है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले स्टेज में बाहर हो होने वाली कनाडा, नामीबिया और ओमान की टीमों को 2,25,000 डॉलर का बेस पार्टिसिपेशन पेमेंट मिलेगा।

आईसीसी ने बताया है कि यह आंकड़े ग्रुप स्टेज, सुपर 8, सेमीफाइनल और फाइनल में टीमों की ओर से कमाए गए ग्रॉस प्राइज मनी को दर्शाते हैं। इन अमाउंट में बेस पार्टिसिपेशन पेमेंट, मैच जीतने पर बोनस और टूर्नामेंट स्टेज में आगे बढ़ने पर मिलने वाले रिवॉर्ड शामिल हैं। हालांकि, गवर्निंग बॉडी ने स्पष्ट किया कि ये आंकड़े 'किसी भी लागू टैक्स कम्प्लायंस या डिडक्शन से पहले' कैलकुलेट किए गए हैं।

रिकॉर्ड प्राइज पूल प्रत्येक टीम को मिलने वाले बेस पार्टिसिपेशन पेमेंट (2,25,000 अमेरिकी डॉलर), फाइनल टीम प्लेसमेंट, विन बोनस और टूर्नामेंट के हर स्टेज में प्रोग्रेस को दर्शाता है।

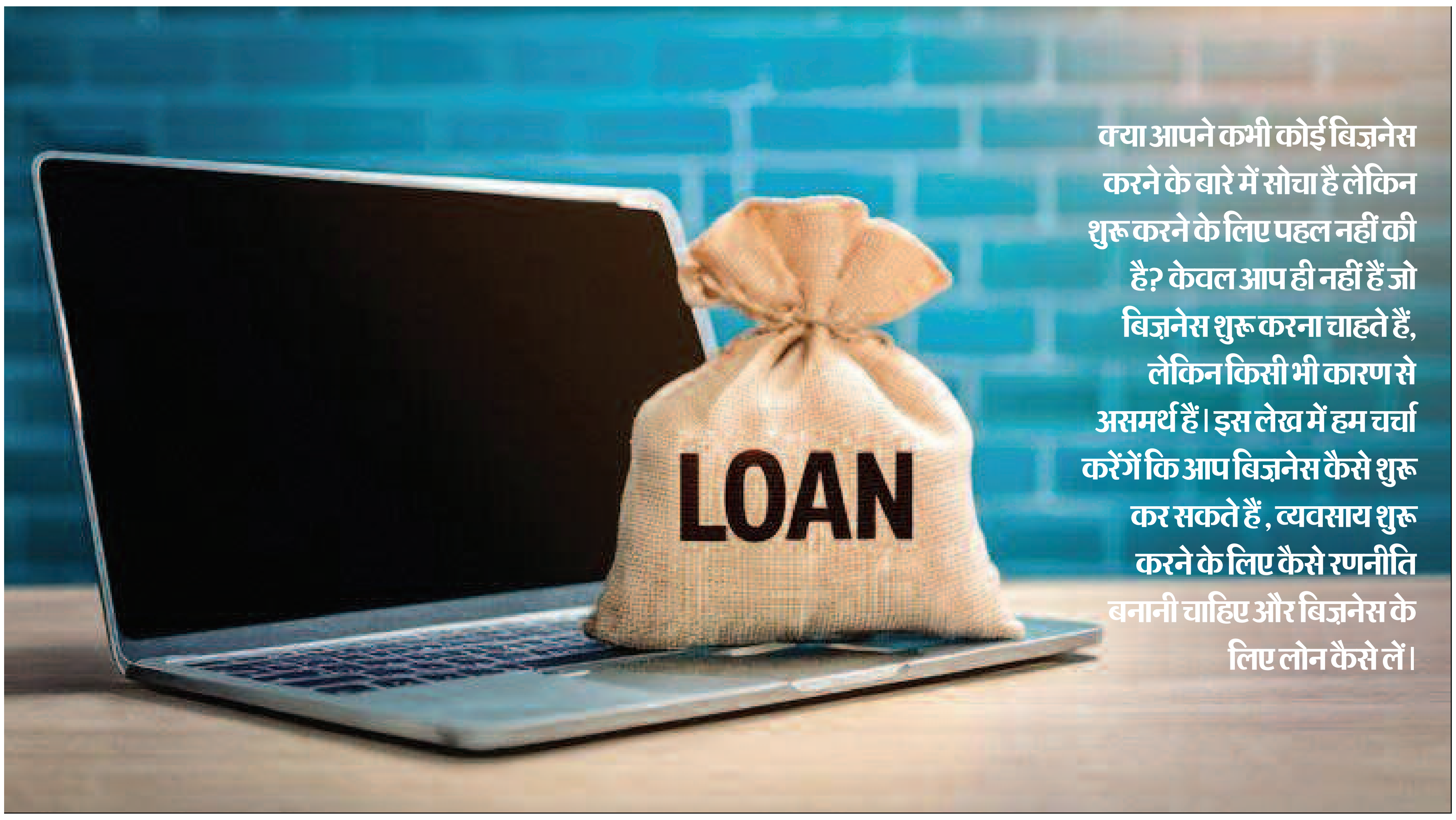


क्या आपने कभी कोई बिज़नेस करने के बारे में सोचा है लेकिन शुरू करने के लिए पहल नहीं की है? केवल आप ही नहीं हैं जो बिज़नेस शुरू करना चाहते हैं, लेकिन किसी भी कारण से असमर्थ हैं। इस लेख में हम चर्चा करेंगें कि आप बिज़नेस कैसे शुरू कर सकते हैं, व्यवसाय शुरू करने के लिए कैसे रणनीति बनानी चाहिए और बिज़नेस के लिए लोन कैसे लें।

# बिज़नेस कैसे शुरू करें? ऐसे मिलेगा बिज़नेस शुरू करने के लिए लोन

## बिल्डिंग एसोसिएशन

मार्केट में बने रहने और लाभ कमाने के लिए, आपको प्रभावशाली ब्लॉगर्स और फ्री/ सैंपल गिफ्ट या प्रोडक्ट के एक्सचेंज के लिए प्रमोशन करना होगा। अपनी पहचान बनाने के लिए चैरिटी संगठनों के साथ जुड़ें और कुछ प्रोडक्ट के साथ वॉलेंटियर करें। बेहतर ग्रोथ की संभावनाओं के लिए उद्योग में मौजूदा बड़े ब्रॉन्ड के साथ कोलैबोरेशन करें।

## धैर्य रखें और आगे बढ़ते रहें

एक स्टार्टअप व्यवसाय के शुरूआती चरणों में, लाभ मार्जिन या ब्रेकवेन के बजाय बिक्री पर अधिक ध्यान दें। अधिकांश उद्यमियों ने धैर्य और फोकस की कमी के कारण बिज़नेस बीच में ही छोड़ दिया। व्यापार के शुरुआती चरणों के दौरान लगातार बने रहना मुश्किल काम है, इसमें निरंतरता टूटती है और ध्यान भंग होता है जिससे नुकसान होता है। इसलिए, हमेशा यह सुझाव दिया जाता है कि धैर्य रखें और कड़ी मेहनत करते रहें और सही समय आने पर अच्छे परिणाम मिलेंगे।

## व्यवसायी बनने का विचार/आइडिया

वर्किंग टाइम, वर्क प्रोफाइल, लाइफस्टाइल, पब्लिक डीलिंग, निवेश का समय आदि से जुड़ें नौकरीपेशा कर्मचारी और व्यवसाय करने वाले के बीच बहुत बड़ा अंतर है। व्यवसायिक बनने से पहले दो बार सोचें। जिस प्रकार का व्यवसाय आप शुरू करना चाहते हैं, बाज़ार में इसकी मांग, व्यवसाय का आकार, निवेश की आवश्यकता और वार्षिक बजट कुछ ऐसे कारक हैं, जिन पर आपको अवश्य विचार करना चाहिए। यदि आप इन सभी सवालों के जवाब के साथ तैयार हैं, तो आप अपना खुद का बिज़नेस शुरू करने के लिए तैयार हैं।

### अपने कौशल (स्किल) के अनुसार बिज़नेस चुनें

एक नया बिज़नेस शुरू करने के लिए कौशल/ स्किल तैयार करने की आवश्यकता होती है जो किसी बिज़नेस की आवश्यकताओं से मिलता हो। लोगों को उस व्यवसाय को शुरू या उसमें निवेश करना चाहिए जो कहीं न कहीं उनके कौशल से जुड़ा है। हर कोई किसी न किसी काम में अच्छा होता है; बस ज़रूरत है प्रतिभा को ढूढ़ने और उसे बेहतर बनाने की। बिज़नेसमैन बनने की योजना बनाने से पहले अपने आप को बेहतर तरीके से जानें, अपनी खूबियों और खामियों का विश्लेषण करें। एक नए क्षेत्र को पूरी तरह से चुनना जोखिमभरा है।

### बिज़नेस और बाज़ार का विश्लेषण

सबसे महत्वपूर्ण कारक जो किसी व्यवसाय को सफल या असफल बनाता है। वह है बिज़नेस पर रिसर्च और मार्केट विश्लेषण। सुनिश्चित करें कि आप जो बिज़नेस शुरू करने वाले हैं, उसकी मार्केट में मांग है और ज़्यादा व्यापारियों द्वारा इस बिजनेस को न किया जा रहा हो। अपने बिज़नेस के कॉम्पिटिटर्स को ढूंढें और बिज़नेस करने के उनके स्टाइल का पता लगाएं। अपने बिज़नेस से जुड़े प्रोडक्ट, कच्चे माल, मशीनरी, उपकरण, आदि की मांग को पूरा करने के लिए सप्लायर का पता लगाएं। बाज़ार में पहले से ही बेचे गए प्रॉडक्ट के खर्च और कीमतों को ट्रैक करें और देखें कि लोगों को अंत में लाभ कितना हो रहा है।

### खर्च जानें

आपको यह तय करने की आवश्यकता है कि बिज़नेस शुरू करने में आपका कितना खर्च आएगा। अगला सवाल आपको खुद से पूछने की ज़रूरत है कि 'क्या आपके पास अपना बिज़नेस शुरू करने के लिए उचित फंड है या आपको बैंक से लोन लेने की आवश्यकता होगी?' यदि आपको और अधिक पैसों की आवश्यकता है तो आपके लिए बिज़नेस लोन के लिए आवेदन करना सबसे सुरक्षित विकल्प है। यह कदम पहले से उठाया जाना चाहिए क्योंकि अधिकांश स्टार्टअप स्थापित होने में विफल होते हैं क्योंकि वे अपने बिज़नेस की स्थापना के शुरुआती चरणों में पैसों की मांग को पूरा नहीं कर पाते हैं।

### बिज़नेस प्लान बनाना

बिज़नेस प्लान में आपके व्यवसाय से जुड़ी सभी जानकारी शामिल होनी चाहिए। यह मूल रूप से आपके बिज़नेस और इसकी ग्रोथ में मदद करने के लिए एक रोड मैप है। बिज़नेस प्लान आपके लाभ का परीक्षण करने और आपकी आर्थिक आवश्यकताओं को समझने में मदद करती है। इसके अलावा, यदि आप व्यवसाय बढ़ाने के उद्देश्यों के लिए बिज़नेस लोन लेना चाहते हैं, तो अच्छी तरह से बिज़नेस प्लान को लोन संस्थानों में जमा करें, जिसमें बैंक और एनबीएफसी शामिल हैं।

### स्थान तय करें

बिज़नेस के लिए लोकेशन सबसे महत्वपूर्ण फैसलों में से एक है जो एक एंटरप्रेन्योर लेता है, क्योंकि यह व्यवसाय का भविष्य तय करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपने बिज़नेस की भौतिक उपस्थिति स्थापित करने के लिए, दो बातों पर विचार करना चाहिए। पहला ग्राहकों के उद्देश्य के लिए उनकी आवश्यकता और दूसरा मार्केट / शॉपिंग मॉल। यह नेटवर्किंग के अवसरों और ग्राहक आधार को बढ़ाता है।

### अपने बिज़नेस को सेट करना

एक बार लोकेशन फाइनल हो जाने के बाद और रेंट एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किया जाता है (यदि लागू हो), तो अगली बड़ी बात आपके बिज़नेस को नीचे दी गई बातों के पर भी ध्यान देना चाहिए-

अपने बिज़नेस का नाम

अपने बिज़नेस को रजिस्टर्ड करना

कंपनी के नाम के तहत एक करंट अकाउंट खोलना

एक टिन, पैन और जीएसटी नंबर प्राप्त करना

अकाउंट सिस्टम चुनना

एक वेबसाइट बनाना

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट खोलना

ये कदम आपके बिज़नेस को बेहतर तरीके से व्यवस्थित करने में आपकी मदद करेंगे और व्यवसाय की ग्रोथ को बढ़ाएँगे।

### स्टाफ को काम पर रखना शुरू करें

शुरूआत में बिज़नेस चलाने के लिए आपको कितने स्टाफ की ज़रूरत है, उसकी चयन करें। साथ ही, बेहतर कौशलता, प्रॉडक्टिविटी और लाभ के लिए अनुभवी और कुशल लोगों को काम पर रखें। बिज़नेस के आकार के आधार पर आप संबंधित व्यवसाय टाइप के अनुसार, अधिकारियों, ग्राहकों की देखभाल के प्रतिनिधियों, मार्केटिंग एक्सपर्ट, अकाउंटेंट, द्बअ पेशेवरों, ॥क्र कर्मियों और अन्य पेशेवरों को काम पर रख सकते हैं।

### अपने बिज़नेस का ब्रान्ड और विज्ञापन करें

अपने बिज़नेस का एक लोगो बनाएं जिससे ग्राहक आपके बिज़नेस का आसानी से पहचान सकें। लोगों को अपने व्यवसाय के बारे में बताएं ताकि आपके पास सामान या सेवाएं खरीदने के लिए आ सकें। अपने बिज़नेस के विस्तार के लिए अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अकाउंट बनाएं। एक मार्केट प्लान बनाएं, इसलिए व्यवसाय के शुरुआती छह महीनों में उसका विज्ञापन करने के लिए एक निश्चित बजट होना चाहिए।

## गाइड बनकर भी कर सकते हैं लाखों की कमाई, ऐसे कर सकते हैं शुरूआत

शॉर्ट टर्म कोर्स कर बना सकते हैं करियरकरियर बनाने के लिए जरूरी नहीं कि कोई बड़ा कोर्स या फिर डिग्री ली जाए. अगर आपके पास हुनर है तो आप किसी भी फील्ड में अपना शानदार करियर बना सकते हैं. आपने कई टूरिस्ट गाइडों को देखा होगा, जो सिर्फ अपने तजुर्बे और इतिहास का ज्ञान रखकर हजारों टूरिस्ट्स को घुमाते हैं और काफी अच्छा पैसा भी कमा लेते हैं. एक गाइड बनने के लिए जरूरी नहीं है कि आपके पास कोई डिग्री हो. कुछ महीनों के डिप्लोमा के साथ इसके लिए बस आपको अपने आस-पास के शहरों की अच्छी जानकारी होनी चाहिए. हम आपको यहां बता रहे हैं कि गाइड बनकर कैसे आप अपने करियर को एक नया मोड़ दे सकते हैं और घूमते फिरते कमाई कर सकते हैं.

संस्कृति और इतिहास का ज्ञान –एक गाइड बनने से पहले यह जरूर सोच लें कि क्या आपको अपने शहर की संस्कृति या फिर उसके इतिहास का पूरा ज्ञान है. अगर ऐसा नहीं है तो आप एक अच्छे गाइड नहीं बन सकते हैं. कोई भी टूरिस्ट आपसे कुछ भी प्रश्न कर सकता है

और गलत उत्तर से आप उनका भरोसा खो देंगे. इसीलिए इतिहास की हर छोटी और रोमांचक जानकारियां अपने पास रखें.

हाजिर जवाब होना भी जरूरी – किसी भी गाइड को हाजिर जवाब होना जरूरी होता है. इससे पता चलता है कि आप कितने अनुभवी हैं और आपको चीजों की कितनी समझ है. बातों को रोमांचक तरीके से लोगों को बताना एक कला है, जो एक गाइड के तौर पर सीखना बहुत जरूरी है. आपके साथ मौजूद टूरिस्ट्स को जानकारी के साथ-साथ आपकी बातों से मजा भी आना चाहिए.

लोगों की जेब का रखें खयाल –अगर आप एक गाइड हैं तो आपको लोगों की यानि जिन्हें आप घुमा रहें हैं उनकी जेब का खयाल रखना जरूरी है. ऐसे में लोगों को किसी रीजनेबल होटल, रेस्तरां आदि में खाना खिलाना, किसी अच्छे होटल में ठहराना और टैक्सी आदि की सुविधा मुहैया करवाने जैसी सुविधाएं शामिल हैं.

कुछ महीनों का डिप्लोमा कोर्स – गाइड के कोर्स के लिए देशभर में कई इंस्टीट्यूट 3 या 6 महीना का डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं. ऐसे कोर्स करके आप आधिकारिक तौर पर एक गाइड के रूप में काम कर सकते हैं. इस कोर्स में आपको टूरिस्ट्स के साथ बात करने के जरूरी टिप्स भी बताए जाते हैं.

मौके भी कम नहीं – अगर आपने किसी अच्छे संस्थान से टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट का कोर्स किया है तो आपके पास मौकों की कोई भी कमी नहीं होगी. कई ऐजेंसियां इसके लिए वेकेन्सी निकालती हैं और एक अच्छे पैकेज पर गाइड हायर करती हैं.

## ये हैं एयरफोर्स में करियर बनाने के छह आसान रास्ते

### आपके कौन सा सही रहेगा

भारतीय वायुसेना में करियर बनाना कई युवाओं का सपना होता है। अगर आप भी एयरफोर्स में शामिल होने का विचार कर रहे हैं, तो जानिए वो छह आसान तरीके जिनसे आप इस गौरवपूर्ण करियर का हिस्सा बन सकते हैं।

भारतीय वायुसेना देश की ताकतवर और सम्मानित सेनाओं में से एक है। यहां नौकरी करना सिर्फ एक प्रोफेशन नहीं, बल्कि देशसेवा और गर्व की बात मानी जाती है। हर साल हजारों युवा एयरफोर्स का हिस्सा बनने का सपना देखते हैं, लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि इस फोर्स में भर्ती होने के कई रास्ते हैं। 12वीं के बाद से लेकर ग्रेजुएशन और डिप्लोमा तक, हर स्तर पर एंट्री पॉसिबल है।

अगर आप भी आसमान में उड़ना चाहते हैं और वर्दी पहनना आपका सपना है, तो जानिए कौन-कौन से एग्जाम और एंट्री स्कीम्स हैं, जिनसे आप भारतीय वायुसेना का हिस्सा बन सकते हैं।

### 12वीं के बाद एयरफोर्स में ऑफिसर बनने का मौका (एनडीए)

एनडीए एग्जाम यूपीएससी द्वारा साल में दो बार आयोजित किया जाता है। इसमें 12वीं (फिजिक्स + मैथ्स) पास लड़के हिस्सा ले सकते हैं। सेलेक्शन के बाद कैंडिडेट्स एनडीए पुणे में ट्रेनिंग पाते हैं और फिर एयरफोर्स अकादमी में भेजे जाते हैं। यहां से पासआउट होकर वे फ्लाइंग ब्रांच या टेक्निकल/नॉन-टेक्निकल ब्रांच में ऑफिसर बनते हैं।

### ग्रेजुएशन के बाद ऑफिसर की सीधी एंट्री

सीडीएस एग्जाम भी यूपीएससी द्वारा लिया जाता है और ग्रेजुएट कैंडिडेट्स इसके जरिए एयरफोर्स एकेडमी (स्न, हैदराबाद) में दाखिला पा सकते हैं। यह परीक्षा साल में दो बार होती है और सफल कैंडिडेट्स को फ्लाइंग ऑफिसर की ट्रेनिंग दी जाती है।

### वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा

वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा भारतीय वायुसेना द्वारा आयोजित एक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट है, जिसके जरिए फ्लाइंग, ग्राउंड ड्यूटी (टेक्निकल और नॉन-टेक्निकल) ब्रांच में भर्ती होती है। यह पुरुष और महिला दोनों के लिए खुला होता है और इसमें ग्रेजुएट्स आवेदन कर सकते हैं। हर साल दो बार यह परीक्षा होती है और इसे सबसे सुगम तरीका माना जाता है।

### 12वीं या डिप्लोमा के बाद एयरमैन भर्ती

भारतीय वायुसेना हर साल ग्रुप एक्स और ग्रुप वाय ट्रेड्स में भर्ती आयोजित करती है। ग्रुप एक्स में टेक्निकल ट्रेड्स आते हैं जैसे- मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि। वहीं ग्रुप वाय में नॉन-टेक्निकल पोस्ट होती हैं, जैसे- क्लर्क, मेडिकल असिस्टेंट और अन्य सपोर्ट स्टाफ। अगर आपने 12वीं (साइंस स्ट्रीम) या तकनीकी डिप्लोमा किया है, तो आप भारतीय वायुसेना में एयरमैन पद के लिए आवेदन कर सकते हैं।

### बिना लिखित परीक्षा के सीधा इंटरव्यू

यदि आपने एनसीस एयर विंग से सी सर्टिफिकेट प्राप्त किया है, तो आप एयरफोर्स में फ्लाइंग ब्रांच के लिए बिना कोई लिखित परीक्षा दिए आवेदन कर सकते हैं। इस एंट्री स्कीम के तहत एएफसीएटी या सीडीएस जैसी परीक्षाएं देने की आवश्यकता नहीं होती। इसमें केवल एसएसबी इंटरव्यू होता है और यह रास्ता ज्यादा कॉम्पिटीशन वाले लोगों के लिए बेहतरीन माना जाता है।

### अग्निवीर वायू

सरकार की नई योजना 'अग्निपथ' के तहत एयरफोर्स में भी अग्निवीर वायू की भर्ती शुरू हुई है। इसमें 17.5 से 21 साल के युवा आवेदन कर सकते हैं और चार साल की सर्विस के बाद कुछ प्रतिशत को परमानेंट नियुक्ति मिलती है। यह स्कीम युवाओं को फौज में आने का नया अवसर देती है।

पति संग पैपराजी को पोज

# दे रही थी अविका, अचानक हुई तबीयत में गड़बड़

### फैंस लगाने लगे खुशखबरी के कयास

टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस अविका गोर हाल ही में अपने पति मिलिंद चंदवानी के साथ स्पॉट हुईं। इस दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक्ट्रेस अचानक असहज महसूस करती नजर आईं। वीडियो सामने आने के बाद फैंस के बीच तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कई तो उनकी प्रेग्नेंसी के कयास लगाने लगे।

### अचानक बिगड़ी तबीयत

वायरल वीडियो में अविका ग्रीन कलर की ड्रेस में बेहद खूबसूरत नजर आईं। वह पैपराजी के सामने पति मिलिंद के साथ पोज दे रही थीं कि इस बीच वह अचानक असहज महसूस करने लगीं और मिलिंद की ओर देखने लगीं। कुछ ही क्षण बाद वह एक तरफ मुड़ीं और उन्हें उल्टी होने लगी। यह देख उनके पति तुरंत उन्हें संभालते नजर आए। इस पूरे पल को वहां मौजूद पैपराजी के कैमरों ने रिकॉर्ड कर लिया, जो अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है।

### सोशल मीडिया पर शुरू हुई अटकलें

वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ लोग इसे खुशखबरी से जोड़कर देख रहे हैं और कपल को बधाई दे रहे हैं, जबकि कुछ यूजर्स ने इसे ओवररिएक्शन या ड्रामा तक बता रहे हैं।

# शाहरुख की KING में स्टार्स की फौज

### मूवी में दिखेंगे बॉलीवुड के 70% स्टार्स-चौंका देगा विलेन का नाम

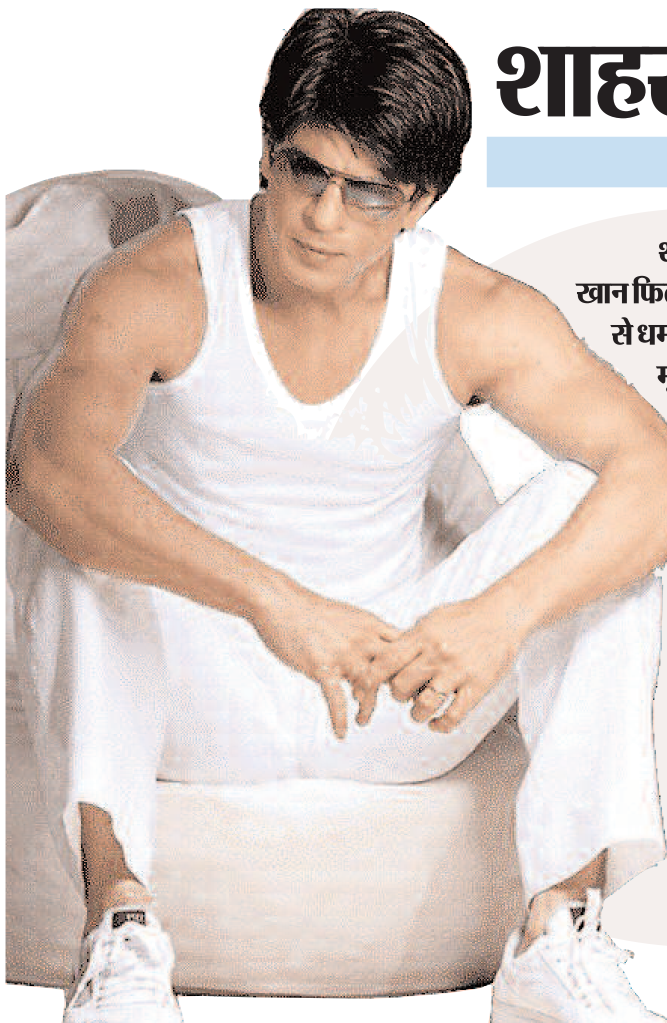

**शाहरुख खान फिल्म पठान और जवान से धमाल मचाने के लिए धमाकेदार मूवी किंग से वापसी कर रहे हैं। किंग से जुड़ी अपडेट्स सामने आती रहती हैं। वहीं, जो ताजा जानकारी सामने आई है, वो बहुत ही जबरदस्त है। मूवी की शूटिंग जारी है और इसके विलेन का भी खुलासा हो गया है। शाहरुख खान एक बार फिर अपनी फिल्म किंग से बॉक्स ऑफिस हिलाने के लिए तैयार हैं। फिल्म से जुड़ी कुछ ताजा जानकारी सामने आई है, जिसे सुनने के बाद फैन्स मूवी को लेकर और ज्यादा उत्साहित नजर आ रहे हैं।**

आपको बता दें कि हाल ही में शाहरुख खान की फिल्म किंग में नजर आने वाले सौरभ शुक्ला ने हिंदी रश को दिए इंटरव्यू में कुछ शानदार खुलासे किए। उन्होंने कुछ ऐसी बातें शेयर की, जो चौंकाने वाली तो है, लेकिन उत्साहित करने वाली भी हैं। शाहरुख खान की फिल्म किंग में दीपिका पादुकोण, सुहाना खान, अभय वर्मा, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी, अभिषेक बच्चन, अनिल कपूर, राघव जुयाल, जयदीप अहलावत, रानी मुखर्जी सहित अन्य स्टार्स नजर आएंगे। रिपोर्ट्स की मानें तो शाहरुख खान की फिल्म किंग में अभिषेक बच्चन खूंखार विलेन का रोल प्ले करते नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि मूवी के क्लाइमैक्स में दोनों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिलेगी। खबर तो ये भी है कि स्क्र्य इसमें डबल रोल प्ले कर सकते हैं। शाहरुख खान की फिल्म किंग के डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद है। बताया जा रहा है कि मूवी इसी साल क्रिसमस के मौके पर 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में धमाका करने रिलीज होगी। बता दें कि ये हाई-वोल्टेज एक्शन-थ्रिलर फिल्म है, जिसका बजट 200-250 करोड़ के करीब है। शाहरुख खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे आखिरी बार 2023 में आई 3 फिल्में पठान, जवान और डंकी में नजर आए थे। इन तीनों ही फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर जलवा दिखाया था। पठान और जवान ने तो 1000 करोड़ से ज्यादा कमाए थे। उनकी अपकमिंग फिल्में किंग के अलावा टाइगर वर्सेस पठान, जवान 2 हैं।

# राज ने बालाजी टेली फिल्म्स संग खत्म किया कॉन्ट्रैक्ट

### आरोपों को बताया बेबुनियाद

**निर्देशक** राज शांडिल्य ने एकता कपूर की बालाजी मोशन पिक्चर्स (बालाजी टेलीफिल्म्स) के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिया। राज ने ऑफिशियल बयान में अपने ऊपर लगे आरोपों को बेबुनियाद बताया। राज शांडिल्य ने जारी ऑफिशियल बयान में स्पष्ट करते हुए बताया कि कॉन्ट्रैक्ट के अधिकारों के अनुसार टर्मिनेशन नोटिस जारी किया गया था, जिसे दो हफ्ते से ज्यादा समय बीत चुका है। राज शांडिल्य ने कहा, 'मैंने अपने कॉन्ट्रैक्ट के अधिकारों के अनुसार बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने का नोटिस जारी किया था। टर्मिनेशन नोटिस जारी हुए अब दो हफ्ते से ज्यादा हो गए हैं। अगर बालाजी को लगता था कि उनके पास टर्मिनेशन को चुनौती देने का कोई ठोस कानूनी आधार है, तो वे सिविल कोर्ट जा सकते थे, लेकिन ऐसी कोई कार्रवाई शुरू नहीं की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बजाय अब बेबुनियाद क्रिमिनल आरोप लगाने की कोशिश की जा रही है। राज का कहना है कि ये आरोप पूरी तरह निराधार हैं और टर्मिनेशन को चुनौती देने के बजाय डराने-धमकाने की कोशिश लगती हैं। उन्होंने अपनी लीगल पोजीशन पर भरोसा जताया और कहा कि वे ऐसे किसी भी इल्जाम को सही कानूनी प्रक्रिया के जरिए देखेंगे।

# हॉलीवुड में काम करना चाहती हैं ऋचा चड्ढा

- पति के काम से खुश होकर कहा- 'मैं अली के नक्शेकदम पर चलना चाहूंगी'

**एक्ट्रेस** ऋचा चड्ढा ने हाल ही में अपने ड्रीम वर्क को लेकर खुलकर बातचीत की और खुलासा किया कि वे अपनी कला को बस बॉलीवुड तक सीमित नहीं रखना चाहती। एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने साल 2008 में बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी और करीब दो दशकों में उन्होंने अपने अलग और दमदार किरदारों से इंडस्ट्री में खास पहचान बनाई है। अब 39 साल की ऋचा अपने करियर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की तैयारी कर रही हैं और हॉलीवुड में भी मजबूत पहचान बनाना चाहती हैं।

### पति के नक्शे-कदम पर चलना चाहती हैं ऋचा

ऋचा कहती हैं कि वे अपने पति और एक्टर अली फजल के नक्शे-कदम पर चलना चाहती हैं, जिन्होंने हॉलीवुड और इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। अली फजल 'फ्यूरियस' 7 (2015), विक्टोरिया एंड अब्दुल (2017), डेथ ऑन द नील (2022) और कंधार (2023) जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। ऋचा ने कहा, 'मैं भी अली के रास्ते पर चलना चाहती हूं और वेस्ट में कुछ अच्छा काम करना चाहती हूं। भला कौन ऐसा नहीं चाहता? अली ने जिस तरह भारत और विदेश दोनों जगहों पर काम को संभाला है, वह वाकई कमाल का है। उन्हें दोनों दुनिया को इतनी खूबसूरती से बैलेंस करते देखना अपने आप में प्रेरणादायक है। अगर मुझे अच्छी स्क्रिप्ट और दमदार किरदार मिलता है तो मैं हॉलीवुड में काम करना जरूर पसंद करूंगी।'

## दो जी सिने अवॉर्ड मिलने पर बोलीं अनीत पड्डा मैंने मेहनत से अपने पापा का सपना पूरा किया

**फिल्मी** दुनिया में अक्सर हम कलाकारों की शानदार लाइफस्टाइल से आकर्षित होते रहते हैं। लेकिन इस शोहरत के पीछे उनकी मेहनत और संघर्ष होता है। इस कड़ी में अभिनेत्री अनीत पड्डा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता को दिया। दरअसल, उन्होंने जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में दो बड़े अवॉर्ड्स जीते, जिसे उन्होंने अपने पिता को समर्पित किया। अनीत पड्डा ने जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में बेस्ट डेब्यू फीमेल का अवॉर्ड जीता। इसके साथ ही उन्हें व्यूअर्स चॉइस बेस्ट एक्ट्रेस का सम्मान भी मिला। स्टेज पर अवॉर्ड लेने पहुंची अनीत ने अपनी स्पीच में सबसे पहले अपने पिता का जिक्र किया और कहा, ''मैं इस जीत का श्रेय अपने पापा को देती हूं। यह पल मेरे जिंदगी के सबसे इमोशनल पलों में से एक है। मैंने मेहनत से अपने पापा का सपना पूरा किया है। मेरे पापा भी एक्टर बनना चाहते थे, लेकिन किसी वजह से उनका यह सपना पूरा नहीं हो सका, लेकिन अब उनकी बेटी ने उनका यह सपना पूरा किया है।

# ऑस्कर सेरेमनी में प्रियंका चोपड़ा करेंगी बड़ा काम, फैंस के लिए होगा गर्व का पल

प्रियंका चोपड़ा अपनी नई फिल्म 'द ब्लफ' को लेकर सुर्खियों में हैं। ऐसे में उन्होंने ग्लोबल लेवल पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा दिन पर दिन कुछ नया करने के लिए सुर्खियों रहती हैं। अब वह दुनिया के सबसे बड़े अवॉर्ड सेरेमनी, ऑस्कर के प्रेजेंटर्स की लिस्ट में शामिल हो गई हैं! गुरुवार को एकेडमी ने उन स्टार्स के नामों की घोषणा की जो 98वें एकेडमी अवॉर्ड्स सेरेमनी में प्रेजेंट करेंगे। इसमें प्रियंका चोपड़ा का भी नाम है।

### इंस्टाग्राम पर दी जानकारी

प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर यह अनाउंसमेंट शेयर किया। इसमें दूसरे नंबर पर प्रियंका चोपड़ा का नाम है। अभिनेत्री ने इसके कैप्शन में लिखा है '2026 एकेडमी अवॉर्ड्स।' उनकी पोस्ट को कई लोग लाइक कर रहे हैं। इस पर जाकिर खान, नम्रता शिरोडकर और करण सिंह जैसे कलाकारों ने उन्हें शुभकामनाएं दी.

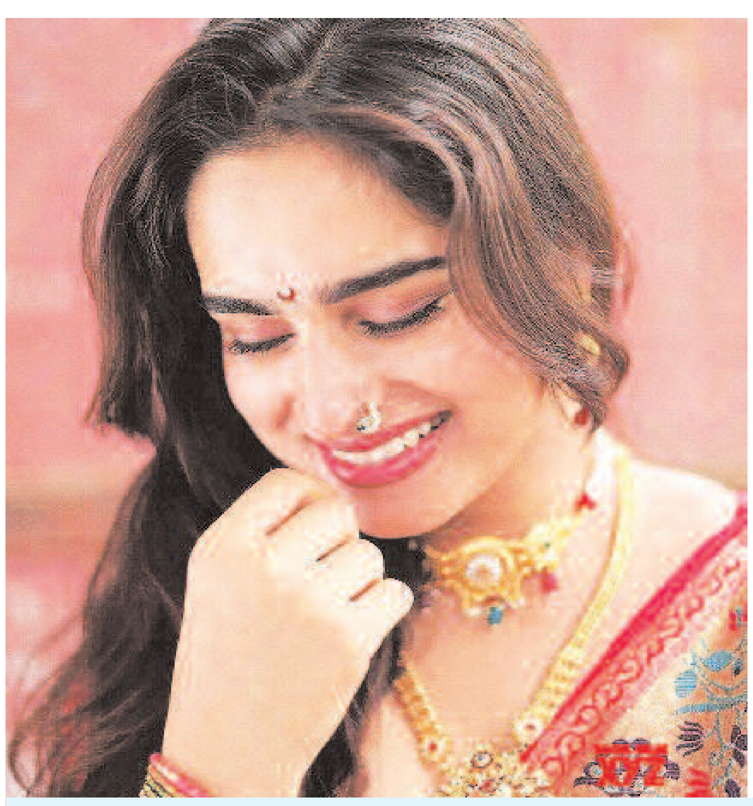

आयशा खान बोलीं-

# हर दिन मिलती हैं रेप की धमकियां

एक्ट्रेस आयशा खान ने हाल ही में बताया कि सोशल मीडिया पर अक्सर उन्हें बॉडी को लेकर सेक्शुअल कमेंट्स मिलते हैं और लगभग हर दिन उन्हें रेप की धमकियां भी दी जाती हैं। मोजो स्टोरी की समिट में आयशा ने कहा कि हाल ही में उन्होंने फिल्म धुरंधर के गाने शरारत की शूटिंग से जुड़ा एक अनुभव शेयर किया था। उन्होंने बताया था कि उस गाने की शूटिंग उन्होंने पीरियड्स के दौरान की थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें काफी ट्रोल किया गया। आयशा ने कहा कि उन्हें लगा कि उनके पीरियड्स पर होना अचानक एक नेशनल जोक बन गया है। एक्ट्रेस ने कहा कि सोशल मीडिया पर लोग उनके कपड़ों को लेकर भी कमेंट करते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इंस्टाग्राम पर लगभग हर दिन अपनी बॉडी को लेकर सेक्शुअल कमेंट्स का सामना करती हूं। अगर मैं नॉर्मल टॉप पहनती हूं तो लोगों को समस्या होती है। अगर मैं स्कर्ट पहनती हूं तो भी लोगों को दिक्कत होती है। मुझे कुछ पोस्ट करने से पहले भी सोचना पड़ता है। उन्होंने कहा कि कई बार इस तरह की बातें उन्हें इमोशनली परेशान करती हैं। उनके मुताबिक अगर किसी को कपड़े पहनने या फोटो पोस्ट करने से पहले सोचना पड़े, सिर्फ इसलिए कि लोग उसे सेक्शुअल तरीके से देखेंगे, तो यह एक दुखद स्थिति है।

### बातों को नजरअंदाज कर देती हूं

आयशा ने कहा कि कुछ दिनों में वह इन बातों को नजरअंदाज कर देती हैं, लेकिन कई बार ऐसे कमेंट्स ज्यादा परेशान करते हैं, खासकर जब लोग हिंसा की बात करते हैं। उन्होंने कहा, 'जब लोग लिखते हैं कि अगर उनके पास ताकत होती तो वह कुछ भी कर सकते थे, तो यह डराने वाला होता है। क्योंकि यह असली लोग हैं जो हमारे आसपास ही रहते हैं। समिट के दौरान आयशा से पूछा गया कि क्या उन्हें ऑनलाइन रेप की धमकियां मिलती हैं? इस पर उन्होंने कहा, 'हां, लगभग हर दिन। मैं अभी अपना फोन खोलकर दिखा सकती हूं। यह अब बहुत नॉर्मल हो गया है।

# तलाक की खबरों के बीच फिर तृषा के साथ नजर आए विजय, इस कार्यक्रम में एक्ट्रेस के साथ की शिरकत

साउथ फिल्मों के चर्चित एक्टर विजय थलापति इन दिनों अपने तलाक को लेकर चर्चा में हैं। इन्हीं खबरों के बीच एक कार्यक्रम में वह रूमर्ड गर्लफ्रेंड तृष्णा संग नजर आए। पिछले दिनों दक्षिण भारतीय अभिनेता विजय थलापति की पत्नी ने तलाक की अर्जी फैमिली कोर्ट में दायर की। तलाक की खबरों के बीच विजय गुरुवार को अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड तृष्णा कृष्णनन के साथ एक कार्यक्रम में नजर आए। जानिए, दोनों साथ में कहां पहुंचे? क्या इस तरह उन्होंने अपने नए रिश्ते को दुनिया के सामने कबूल कर लिया है।

### साथ में कहां पहुंचे विजय और तृष्णा?

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है, जिसमें विजय और तृष्णा भारतीय परिधान में एक कार्यक्रम में शामिल हुए। दोनों किसी कपल की तरह इस इवेंट में शामिल हुए। विजय और तृष्णा, कल्पना सुरेश और मीनाक्षी सुरेश के बेटे के रिसेप्शन में शामिल हुए। पब्लिक में इस तरह साथ नजर आकर दोनों ने अपने रिश्ते को कबूल कर लिया है।

### विजय की पत्नी संगीता ने दायर की तलाक की अर्जी

पिछले दिनों अभिनेता और टीवीके (तमिलगा वेत्रि कझगम) प्रमुख विजय थलापति की पत्नी संगीता ने चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दायर की थी। संगीता और विजय की शादी अगस्त 1999 में हुई थी। इस कपल के दो बच्चे हैं, जेसन संजय और दिव्या शाशा। अब यह कपल अलग हो रहा है, इसकी वजह भी संगीता ने साझा की है। तलाक की याचिका के मुताबिक संगीता ने विजय पर बेवफाई का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि विजय का एक अभिनेत्री के साथ 'अवैध संबंध' था। पत्नी से तलाक की खबर के बीच ही विजय और तृष्णा साथ नजर आए। इस तरह कहीं ना कहीं विजय ने अपने और तृष्णा के रिश्ते पर मुहर लगा दी है।

स्वामित्व, प्रकाशन एवं संपादन – कृष्णा टेकरीवाल प्रकाशित समाचारों की सत्यता हेतु संबंधित संवाददाता जिम्मेदार होंगे विज्ञापन हेतु मोबाइल : 9801716267